मंगलवार, 25 मार्च 2025

मौसम

तापमान 33 – 23
आर्द्रता 64%
सूर्योदय: 5:37 सूर्यास्त: 17:49

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारत वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग के लिए भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी विकल्प बनने को तैयार : सोनोवाल –पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, चैत्र कृष्णपक्ष एकादशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : आपको बार-बार गलत साबित करनेवाले आपकी सच्चाई से डरते हैं।

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

आरजी कर की महिला डॉक्टर तनाव में थी, मौत से एक महीने पहले मांगी थी मदद: मनोचिकित्सक

कोलकाता : कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या की पीड़िता विभिन्न कारणों से गंभीर मानसिक तनाव में थी और उसने पिछले साल नौ अगस्त को अपनी मौत से करीब एक महीने पहले उनसे पेशेवर मदद मांगी थी। एक परामर्शदाता मनोचिकित्सक ने सोमवार को यह दावा किया। मनोचिकित्सक मोहित रणदीप ने दावा किया कि लंबे समय तक ड्यूटी करना, शिफ्टों के आवंटन में भेदभाव और सरकारी अस्पताल में ''अनियमितताओं के बारे में जानकारी'' 30 वर्षीय चिकित्सक को अत्यधिक मानसिक परेशानी दे रही थी। एक प्रमुख बांग्ला टीवी चैनल से बातचीत में मनोचिकित्सक ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के सामने गवाही देने के लिए तैयार हैं, जिसने बलात्कार-हत्या मामले की जांच की। महिला डॉक्टर का शव नौ अगस्त 2024 को उत्तर कोलकाता स्थित सरकारी अस्पताल के सेमिनार कक्ष में मिला था।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का लंदन दौरा

कोलकाता-लंदन के बीच सीधे उड़ान की जतायी आवश्यकता

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लंदन दौरे के दौरान भारतीय दूतावास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ममता ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की और बंगाल के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों को साझा किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सबसे पहले कोलकाता और लंदन के बीच सीधे हवाई संपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, कोलकाता लंदन से ज्यादा दूर नहीं है, हमें यहां से सीधे हवाई मार्ग की आवश्यकता है। मेरी यात्रा में 18 घंटे का समय लग गया, और यात्रा काफी कष्टपूर्ण रही। मुख्यमंत्री ने बंगाल के विकास की दिशा में कई पहलें भी साझा की। उन्होंने बताया कि दुर्गापूजा के समय यूके में बंगाल की संस्कृति और शिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजन किए जाते हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि बंगाल में अब एआई हब, डेटा रिसर्च सेंटर और महिला उद्यमिता में सबसे अधिक सफलता हासिल की गई है। ममता बनर्जी ने बंगाल के शिक्षा क्षेत्र में किए गए योगदान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय और प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमने इकोपार्क में पूरी दुनिया के आश्चर्यों का निर्माण किया है। यहां एक वैक्स म्यूजियम भी है, जिसे 'मदर टेरेसा' के नाम पर रखा गया है। मदर टेरेसा ने बंगाल के लिए कई काम किए, और मैं उनका आभारी हूं कि वे मेरे साथ अपनी समस्याओं पर बात करती थीं। ममता ने सिस्टर्स निवेदिता की बात भी की, जो बंगाल के लिए समर्पित थीं और जिनकी समाधि दार्जिलिंग में हुई थी। उन्होंने बताया कि सरकार ने उस घर को भारतीय सरकार से खरीद लिया है जहां सिस्टर्स निवेदिता का निधन हुआ था। मुख्यमंत्री ममता ने यह भी बताया कि बंगाल में 47 लाख लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, और लगभग 10 लाख लोग विभिन्न उद्योगों में काम कर रहे हैं। उन्होंने यहां के स्किल इंडस्ट्री में बंगाल के पहले स्थान को भी गर्व से साझा किया। उन्होंने कार्यक्रम में सभी धर्मों का सम्मान करते हुए कहा कि बंगाल में हम सभी धर्मों को समान रूप से मानते हैं और इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। मुख्यमंत्री ममता ने अंत में कहा, हम भारतीय होने पर गर्व महसूस करते हैं, और भारत में विविधता में एकता का प्रतीक हैं। हम विश्वास करते हैं कि किसी भी विकास कार्य को अकेले नहीं किया जा सकता, सभी का सहयोग आवश्यक है।

अनुसंधान में बंगाल के दो अस्पतालों ने हासिल किया पूर्वी भारत में शीर्ष स्थान: ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने राज्य के दो प्रमुख सरकारी अस्पतालों को पूर्वी भारत में दो शीर्ष अनुसंधान संस्थान घोषित किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पूर्वी क्षेत्र में सर्वोत्तम अनुसंधान संस्थान के रूप में प्रथम स्थान पर है, जिसके बाद एसएसकेएम अस्पताल का स्थान है। बनर्जी ने कहा, ''मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आईसीएमआर ने कोलकाता मेडिकल कॉलेज अस्पताल को पूर्वी भारत में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान संस्थान घोषित किया है और एसएसकेएम अस्पताल दूसरे स्थान पर है। सभी संबंधितों को मेरी हार्दिक बधाई।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हमेशा मानती हैं कि बंगाल में देश की सबसे अच्छी स्वास्थ्य अवसंरचना है, 'जो सभी के लिए एक आदर्श है'। बनर्जी इस समय लंदन के दौरे पर हैं और उन्होंने कहा, ''यह मान्यता हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में मेरे विश्वास को और पुष्ट करती है। जय बांग्ला।''

आरक्षण मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा, भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया संविधान बदलने का आरोप

नयी दिल्ली : राज्यसभा में सोमवार को सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कर्नाटक विधानसभा में मुसलमानों को सरकारी ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधान वाला विधेयक पारित होने पर कड़ा विरोध जताया तथा कांग्रेस पर संविधान बदलने का प्रयास करने का आरोप लगाया। इस कारण हंगामे के चलते उच्च सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजकर 35 मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। सत्ता पक्ष के सदस्यों के हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि डॉ. बी आर आंबेडकर के बनाये संविधान को कोई भी ताकत नहीं बदल सकती है। सदन की बैठक शुरू होते ही भाजपा सदस्यों ने आरक्षण का मुद्दा उठाया और हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जो लोग संविधान के रक्षक होने का दावा करते हैं, वे लोग संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर बैठे एक कांग्रेस नेता ने कहा है कि आरक्षण के मुद्दे पर जरूरत पड़ी तो संविधान में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने यद्यपि किसी का नाम नहीं लिया किंतु माना जाता है कि उनका संकेत कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की ओर था। रीजीजू ने कहा कि यह बयान किसी सामान्य व्यक्ति ने नहीं बल्कि ऐसे व्यक्ति ने दिया है जो संवैधानिक पद पर है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है तथा संविधान बदल कर धर्म आधारित आरक्षण दिये जाने को 'बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' सदन के नेता एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि बहुत दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि जो लोग खुद को संविधान का रक्षक बताते हैं, उनकी सोच बिल्कुल उनके दावे के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा में मुसलमानों को सरकारी ठेकों में चार फीसदी आरक्षण देने के प्रावधान वाला एक विधेयक पारित हुआ है। उन्होंने कहा, ''इतना ही नहीं, वहां के उपमुख्यमंत्री ने बयान दिया है कि अगर जरूरत पड़ी तो संविधान में बदलाव किया जाएगा।'' संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता संविधान की पुस्तक साथ लेकर चलते हैं किंतु हर काम इसे नीचा दिखाने के लिए करते हैं।

केंद्र ने सांसदों का वेतन 24 प्रतिशत बढ़ाया, अब प्रति माह 1.24 लाख रुपये मिलेंगे

केंद्र ने सोमवार को संसद सदस्यों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की, जो एक अप्रैल 2023 से प्रभावी होगी। इसके साथ ही, सांसदों का मासिक वेतन कुछ भत्तों और सुविधाओं के अलावा 1.24 लाख रुपये हो गया है। यह बढ़ोतरी लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के आधार पर की गई है। संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा सदस्यों के दैनिक भत्तों और पेंशन में भी वृद्धि की गई है। वहीं पूर्व सदस्यों के लिए पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन की घोषणा की गयी है। हालांकि, कुछ सांसद वेतन वृद्धि से असंतुष्ट नजर आए और सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) में वृद्धि की मांग की। समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने कहा, ''यह एक सामान्य प्रक्रिया है जो नियमित अवधि में की जाती है। हालांकि, मुद्रास्फीति को देखते हुए, मुझे लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है।'' भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राज कुमार रोत ने कहा, ''मैं सांसदों के वेतन में वृद्धि के कदम का स्वागत करता हूं। सांसदों ने एमपीलैड में वृद्धि की मांग की थी, लेकिन सरकार ने सांसदों के वेतन में वृद्धि की है...।''

अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने के बाद भी हिंदू विवाह अधिनियम के दायरे में जैन समुदाय: उच्च न्यायालय

इंदौर : मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने सोमवार को अपने एक फैसले के जरिये स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने के बाद भी जैन समुदाय हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के दायरे में बरकरार है। इसके साथ ही उच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणियों के साथ इंदौर के कुटुम्ब न्यायालय के एक अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश के आठ फरवरी के बहुचर्चित फैसले को रद्द कर दिया। इस फैसले में अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने जैन समुदाय के 37 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसकी 35 वर्षीय पत्नी के आपसी सहमति से तलाक लेने की अर्जी को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा था कि जैन समुदाय को 2014 में अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने के

बाद इस धर्म के किसी अनुयायी को ''उसके धर्म से विपरीत मान्यताओं वाले किसी धर्म'' से संबंधित व्यक्तिगत कानून का लाभ दिया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कुटुम्ब न्यायालय के इस फैसले को उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में अपील दायर करके चुनौती दी थी। अपील पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने उच्च न्यायालय में दलील दी कि उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया था। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति संजीव एस. कलगांवकर ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर की अपील मंजूर कर ली। उच्च न्यायालय ने कुटुम्ब न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश के इस निष्कर्ष को ''गंभीर रूप से अवैध'' और ''स्पष्ट तौर पर अनुचित'' करार दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधान जैन समुदाय के लोगों पर लागू नहीं होते हैं। पीठ ने अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश को निर्देश भी दिया कि वह जैन समुदाय के दम्पति की तलाक की याचिका पर कानून के अनुसार कार्यवाही करें। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जैन समुदाय को अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता देने के लिए 11 साल पहले जारी की गई अधिसूचना किसी भी मौजूदा कानून के प्रावधानों को न तो संशोधित या अमान्य करती है, न ही इन प्रावधानों का स्थान लेती है।

विवाह पति को अपनी पत्नी का स्वामित्व प्रदान नहीं करता : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज (उप्र) : पत्नी का एक अश्लील वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड करने के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि विवाह पति को अपनी पत्नी का स्वामित्व या उस पर नियंत्रण प्रदान नहीं करता और ना ही उसकी स्वायत्तता या निजता के अधिकार को कम करता है। पति की, आरोप पत्र खारिज करने की मांग के साथ दायर याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कहा, अंतरंग संबंधों का वीडियो फेसबुक पर अपलोड कर पति ने वैवाहिक रिश्ते की पवित्रता का घोर उल्लंघन किया है। एक पति से अपनी पत्नी द्वारा किए गए विश्वास और आस्था विशेषकर उनके अंतरंग संबंध के संदर्भ में विश्वास का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। अदालत ने कहा, इस तरह के कंटेंट को साझा करना पति और पत्नी के बीच रिश्ते को परिभाषित करने वाली अंतर्निहित गोपनीयता का उल्लंघन है। यह विश्वासघात, वैवाहिक रिश्ते का आधार कमजोर करता है और इसे वैवाहिक संबंध का संरक्षण नहीं मिलता। अदालत ने आगे कहा, एक पत्नी अपने पति का विस्तार नहीं है, बल्कि वह एक व्यक्ति है जिसके अपने अधिकार और इच्छाएं हैं। उसकी शारीरिक स्वायत्तता और निजता का सम्मान करना महज एक कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि सही मायने में समान संबंध को बढ़ावा देने के लिए एक नैतिक अनिवार्यता है। इस मामले के तथ्यों के मुताबिक, महिला ने मिर्जापुर के थाना पदरी में अपने पति प्रद्युम्न यादव के खिलाफ आईटी अधिनियम की धारा 67 के तहत मामला दर्ज कराया था।

विदेशी निवेशकों की लिवाली से सेंसेक्स ने लगाई 1,079 अंक की छलांग, छह सप्ताह के शिखर पर

मुंबई : विदेशी कोषों की खरीदारी और बैंकिंग तथा तेल एवं गैस शेयरों में जोरदार लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। सेंसेक्स 1,079 अंक की छलांग के साथ छह सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी भी 308 अंक के लाभ में रहा। बीएसई का 30 शेयर पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 1,078.87 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछलकर 77,984.38 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक

समय यह 1,201.72 अंक बढ़कर 78,107.23 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 307.95 अंक यानी 1.32 प्रतिशत बढ़कर 23,658.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 358.35 अंक बढ़कर 23,708.75 अंक पर पहुंच गया था। विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख ने घरेलू शेयर बाजार में तेजी की धारणा को समर्थन देने का काम किया। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये में आई मजबूती ने भी निवेशकों की धारणा को बल दिया।

रुपया 37 पैसे के उछाल के साथ 85.61 प्रति डॉलर पर

मुंबई : घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के रुख और विदेशी कोषों के ताजा निवेश के समर्थन से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपये में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और यह 37 पैसे चढ़कर 85.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस तेजी की वजह से वर्ष 2025 में रुपये का नुकसान समाप्त हो गया है। कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट तथा डॉलर में जारी कमजोरी से भी मजबूती की धारणा को बल मिला। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, नकदी की कमी से लेकर जवाबी शुल्क लगाने तक के जोखिम रुपये के लिए चुनौतियां बने हुए हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.93 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 85.49 प्रति डॉलर के उच्चस्तर और 86.01 प्रति डॉलर के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 85.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 37 पैसे की तेजी है।

देश की शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है आरएसएस, इसे हमें मिलकर रोकना होगा: राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा हुआ है। उन्होंने यहां जंतर-मंतर पर 'इंडिया' गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों के संयुक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी को मिलकर रोकना एवं पराजित करना है। विपक्षी पार्टियों की छात्र इकाइयों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर 'संसद मार्च' का आह्वान किया था। राहुल गांधी ने दावा किया, ''एक संगठन हिंदुस्तान का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है। उस संगठन का नाम आरएसएस है।

यदि शिक्षा व्यवस्था उनके हाथ में चली जाएगी, जो धीरे धीरे जा रही है, तो देश बर्बाद हो जाएगा और इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।'' उनका कहना था, ''आज छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति आरएसएस द्वारा नामित हैं और आने वाले समय में राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति भी आरएसएस द्वारा नामित होंगे। यह देश के लिए खतरनाक हैं। इसे हमें रोकना है।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, ''देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में लोकसभा में बात की। मैं यह बोलना चाहता था कि कुंभ के बारे में बात करना अच्छी बात है, लेकिन भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, बेरोजगारी के खिलाफ बात करनी चाहिए।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात नहीं करते क्योंकि प्रधानमंत्री का मॉडल, भाजपा और आरएसएस का मॉडल है जिसके तहत अदाणी, अंबानी को सारा धन देना और आरएसएस को सारी संस्थाओं का नियंत्रण देना है।'' उन्होंने छात्र संगठनों से कहा, ''हमारी विचारधारा और नीतियों पर थोड़ा फर्क हो सकता है, लेकिन हम हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली को लेकर कभी समझौता नहीं करेंगे। हम मिलकर कदम बढ़ाएंगे और आरएसएस-भाजपा को हराएंगे।''

राजस्थान के कण-कण में हैं गौरव गाथाएं

राजस्थान की भजन लाल सरकार ने हिन्दू नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा) पर राजस्थान स्थापना दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस बार 30 मार्च को ही भारतीय नववर्ष शुरू हो रहा है। राजस्थानवासियों ने सरकार के 75 साल बाद लिए गए इस फैसले का व्यापक स्वागत किया है। 30 मार्च 2025 को राजस्थान 76 साल का हो जायेगा। 30 मार्च, 1949 को जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों का विलय होकर वृहत्तर राजस्थान संघ बना था। इसी तिथि को राजस्थान की स्थापना का दिन माना जाता है। पिछले 75 वर्षों तक 30 मार्च को हम राजस्थान की अमर गाथा का अपनी सुनहरी यादों में स्मरण कर इसे राजस्थान दिवस के रूप में मनाते आये है। संयुक्त राजस्थान का उद्घाटन चैत्र शुक्ला एकम प्रतिपदा संवत 2006 तदनुसार 30 मार्च 1949 को प्रातः 10:40 बजे रोहिणी नक्षत्र इंद्रयोग में तत्कालीन उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया था।

राज्य सरकार जनभागीदारी के साथ उत्सव के रूप में राजस्थान दिवस मनाने जा रही है। प्रदेशभर में 25 मार्च से 31 मार्च तक विविध कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित 'महिला सम्मेलन' से होगा। नववर्ष समारोह समिति के प्रवक्ता महेन्द्र सिंहल ने कहा कि राजस्थान का गठन मुहूर्त के अनुसार वर्ष प्रतिपदा को हुआ था, जो संयोगवश 30 मार्च को पड़ा। लंबे समय से वर्ष प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के रूप में मान्यता देने की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने आह्वान किया कि अब सभी मिलकर वर्ष प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लें। अब तक 30 मार्च को मनाए जाने वाला राजस्थान दिवस सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया था, अब यह समाज का उत्सव बनेगा। राजस्थान अपनी आन, बान, शान, शौर्य, साहस, कुर्बानी, त्याग, बलिदान तथा वीरता के लिए सम्पूर्ण विश्व में ख्यात है। स्थापना दिवस पर हमें अपने वर्तमान के साथ सुनहरे अतीत को याद करने की महत्ती जरुरत हैं। किसी ने सही कहा है, वर्तमान अतीत की कुंजी है। आज हमारे प्रतीकों पर हमले हो रहे है। हमारे महा-पुरुषों के सम्बन्ध में भ्रांतियां फैलाई जा रही है। जिनका मुंहतोड़ जवाब देना जरुरी हो गया है। विदेशी आक्रांता हमारे आइकॉन नहीं हो सकते। इस दृष्टि से भी जनता को जागरूक करना आवश्यक हो गया है।

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान रेतीला, बंजर , पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहां के निवासियों के मुख्य रोजगार है। आजादी के बाद इस प्रदेश ने निश्चय ही प्रगति और विकास की ऊंचाईयों को छुआ है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेश- वासियों ने विपरीत स्थितियो में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा। यह सही है कि हमने हर क्षेत्र में प्रगति हासिल की है। स्कूलों की संख्या बढ़ी है। छात्रों का नामांकन भी दुगुना-चौगुना हुआ है। गांव-गांव और घर-घर बिजली की रोशनी प्रज्वलित हुई है। सड़कों का जाल भी चहुंओर देखने को मिल रहा है। गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ा गया है। पेयजल के क्षेत्र में अच्छी खासी प्रगति हुई है। गांव-गांव और शहर-शहर में पानी पहुंचाया गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्रों में बड़ी कामयाबी हासिल की गई है। गांव-गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाया गया है। मैट्रो सिटी में बड़े अस्पताल बनाये गये हैं और जटिल से जटिल रोगों का ईलाज किया जा रहा है। औद्योगिक विकास की दृष्टि से भी हम आगे बढ़े हैं। रेगिस्तानी क्षेत्र राजस्थान में पहले लोग उद्योग धंधे स्थापित करने से डरते थे। आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होने और लालफीताशाही के कारण उद्योगपति राजस्थान आने से डरते थे। यहाँ तक कि प्रवासी उद्योगपति भी अपने क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने में हिचकिचाते थे। मगर आज आधारभूत सुविधाएँ सुलभ होने के कारण राजस्थान में बड़ी तेजी से बड़े और वृहद् उद्योग स्थापित हुए हैं। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में राजस्थान का काया कल्प हुआ हे। हमारे लाखों नौजवानों को रोजगार मिला है। राजस्थान पर्यटन के क्षेत्र में काफी समृद्धशाली राज्य है। यहाँ के किले, हवेलियाँ, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर मेले, महल, झीलें, पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही है। राजस्थान का पर्यटन के क्षेत्र में विश्व में प्रमुख स्थान है। पर्यटन राज्य के रूप में प्रदेश ने विश्व मानचित्र में अपनी अनूठी पहचान बनाई है। आज आवश्यकता इस बात की है की हम अपनी ऐतिहासिकऔर समृद्ध विरासतों को संरक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़े ताकि वर्तमान अतीत की कुंजी है की भावना सार्थक हो। -बालमुकुन्द ओझा

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

ललित गर्ग

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए।

अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

भारत के सहयोग से हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और वह जीडीपी वृद्धि कर रहा था। लेकिन उनके तख्तापलट के बाद से विकास में तेजी से गिरावट आई है और देश मंदी की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक और आईएमएफ का कहना है कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की विकास-दर आधी हो गई है और उसका कपड़ा उद्योग-जो उसके विकास का आधार था-बेरोजगारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लेकिन अंतरिम सरकार मौजूदा स्थिति के लिए हसीना सरकार को दोषी ठहराती है, यह बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति है। लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, वही बांग्लादेश क्या सोचकर भारत से दूरियां बढ़ाई? अब अपनी गलती का अहसास करते हुए वह भारत से दोस्ती चाहता है तो भारत को सतर्कता, सावधानी, दूरगामी सोच, कूटनीतिक सोच से कदम उठाने चाहिए।

दृष्टिकोण से विजय तक: भारत किस प्रकार टीबी के विरुद्ध अपनी लड़ाई को नया स्वरूप दे रहा है

जगत प्रकाश नड्डा

इस विश्व टीबी दिवस पर, मैं इस बात पर बहुत गर्व के साथ विचार करता हूँ कि भारत टीबी के खिलाफ़ लड़ाई में किस तरह से अपनी रणनीति को फिर से लिख रहा है। हाल ही में संपन्न 100-दिवसीय सघन टीबी-मुक्त भारत अभियान ने न केवल नवाचार की शक्ति का प्रदर्शन किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि समुदायों को संगठित करना कार्यक्रम संबंधी दृष्टिकोण को बदलने जितना ही महत्वपूर्ण है। यह अभियान 7 दिसंबर 2024 को टीबी के मामलों का पता लगाने में तेज़ी लाने, मृत्यु दर को कम करने और नए मामलों को रोकने के उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था।

100-दिवसीय सघन टीबी-मुक्त भारत अभियान ने टीबी का जल्द पता लगाने के लिए अत्याधुनिक रणनीतियाँ पेश कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि बिना लक्षण वाले लोगों की भी पहचान हो - जिनका अन्यथा निदान नहीं हो पाता - और उनका इलाज किया गया। पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों को सीधे उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के पास ले जाया गया, जिनमें मधुमेह, धूम्रपान करने वाले, शराब पीने वाले, एचआईवी से पीड़ित लोग, बुजुर्ग और टीबी रोगियों के घरेलू संपर्क मैं रहने वाले शामिल थे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक्स-रे ने संदिग्ध टीबी मामलों को तुरंत चिह्नित किया, और स्वर्ण-मानक न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन टेस्ट (छ--ढ) का उपयोग करके पुष्टि की गई। इन प्रयासों ने सुनिश्चित किया कि संक्रामक मामलों की पहचान की गई और उनका जल्दी से इलाज किया गया, जिससे संक्रमण पर लगाम लगी और लोगों की जान बचाई गई।

यह अभियान देश के कोने-कोने तक पहुँचा, जिसमें वे लोग जिनमें टीबी का खतरा अधिक है के 2.97 करोड़ लोगों की जाँच की गई। इस गहन प्रयास के कारण 7.19 लाख टीबी रोगियों की पहचान की गई, जिनमें से 2.85 लाख मामले बिना लक्षण वाले थे और इस अभिनव दृष्टिकोण के बिना अन्यथा छूट जाते, जिससे टीबी संक्रमण की श्रृंखला टूट गई। यह सिर्फ़ एक मील का पत्थर नहीं है - यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

टीबी मुक्त भारत अभियान: एक जन आंदोलन

लेकिन असली गेम-चेंजर सिर्फ़ तकनीक नहीं थी - यह समुदायों की अभूतपूर्व लामबंदी थी। टीबी उन्मूलन अब जनभागीदारी द्वारा संचालित एक जन आंदोलन है। पूरे भारत में 13.46 लाख से ज़्यादा निक्षय शिविर आयोजित किए गए, जहाँ माननीय सांसदों, विधायकों और पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों सहित 30,000 से ज़्यादा निर्वाचित प्रतिनिधियों ने 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का समर्थन किया। कॉरपोरेट पार्टनर और आम नागरिक इस अभियान में शामिल हुए, जिससे यह विचार मज़बूत हुआ कि टीबी उन्मूलन सिर्फ़ सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं बल्कि एक सामूहिक मिशन है। और इस मिशन में जनभागीदारी का उदाहरण राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में देखा गया, जहाँ 22 संबंधित मंत्रालयों में टीबी जागरूकता, पोषण किट वितरण, टीबी मुक्त भारत के लिए शपथ लेने जैसी 35,000 से ज़्यादा गतिविधियाँ की गईं। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, व्यापार संघों, व्यावसायिक संघों, स्वैच्छिक संगठनों के साथ 21,000 से अधिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं और 78,000 शैक्षणिक संस्थानों में 7.7 लाख से अधिक छात्रों ने टीबी जागरूकता और संवेदीकरण गतिविधियों में भाग लिया। जेलों, खदानों, चाय बागानों, निर्माण स्थलों और कार्य स्थलों जैसे सामूहिक स्थानों पर 4.17 लाख से अधिक संवेदनशील आबादी की स्क्रीनिंग और परीक्षण किया गया। अभियान अवधि के दौरान त्यौहारों पर 21,000 से अधिक टीबी जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें धर्म आधारित नेताओं और सामुदायिक प्रभावशाली लोगों को शामिल किया गया।

हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण, जिसने जन-भागीदारी की आधारशिला रखी, न केवल पोषण के लिए बल्कि मनोसामाजिक और व्यावसायिक समर्थन के लिए रोगियों को गोद लेने के लिए व्यापक सामाजिक समर्थन जुटाया। टीबी रोगियों के लिए सहायता अब अस्पतालों तक सीमित नहीं है - यह घरों, गांवों और कार्यस्थलों पर भी हो रही है। निःक्षय मित्र पहल के माध्यम से, व्यक्ति और संगठन टीबी से पीड़ित परिवारों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिसमें हज़ारों पोषण किट पहले ही वितरित की जा चुकी हैं। सिर्फ़ 100 दिनों में, 1,05,181 नए निःक्षय मित्रों को नामांकित किया गया। पोषण और टीबी से उबरने के बीच महत्वपूर्ण संबंध को पहचानते हुए, सरकार ने निःक्षय पोषण योजना के तहत वित्तीय सहायता को 500 से बढ़ाकर 1,000 प्रति माह कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी टीबी रोगी इस लड़ाई को अकेले न लड़े।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भी टीबी रोगियों के लिए विभेदित टीबी देखभाल कार्यक्रम के तहत अनुकूलित और व्यक्तिगत उपचार प्रदान कर रहा है। उदाहरण के लिए, यदि किसी टीबी रोगी का वजन कम पाया जाता है (बीएमआई 18.5 किग्रा/ मीटर2), तो उनके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता उनके लिए अनुकूलित पोषण और उपचार योजना तैयार करेंगे और उपचार के दौरान हर महीने उनकी प्रगति की निगरानी करेंगे।

इस अभियान की गति ने यह भी दर्शाया है कि कैसे समाज और सरकार का समग्र दृष्टिकोण परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। टीबी जागरूकता और सेवाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में एकीकृत करने के लिए 22 मंत्रालयों ने मिलकर काम किया। टीबी जागरूकता झांकियां गोवा कार्निवल परेड का मुख्य आकर्षण बन गईं। देश भर के स्कूलों में, टीबी जागरूकता संदेशों को सुबह की सभाओं में शामिल किया गया। लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने हजारों आगंतुकों को मुफ्त टीबी जांच की पेशकश करने के लिए अपने क्लस्टर कार्यालयों के नेटवर्क का लाभ उठाया। इन विविध प्रयासों ने कलंक को तोड़ दिया, गलत सूचनाओं को सही किया और टीबी उन्मूलन को सार्वजनिक चेतना के केंद्र में ला दिया।

100 दिवसीय अभियान अभी शुरुआत है। भारत इन प्रयासों को पूरे देश में बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर नागरिक - चाहे वे कहीं भी रहते हों - को आधुनिक निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार और अटूट सामुदायिक समर्थन तक पहुँच प्राप्त हो। जिस तरह भारत ने कोविड-19 की जाँच को तेज़ी से बढ़ाया, उसी तरह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय अगली पीढ़ी के टीबी निदान में निवेश कर रहा है ताकि अंतिम छोर तक तेज़ और अधिक सटीक जाँच हो सके।

भारत ने पहले भी समुदाय द्वारा संचालित कार्रवाई की शक्ति देखी है - चाहे वह स्वच्छ भारत मिशन हो या हमारा पोलियो उन्मूलन अभियान। इसी तरह, टीबी मुक्त भारत अभियान अब लोगों के नेतृत्व वाला एक और आंदोलन बन रहा है। जब नवाचार पहुंच से मिलता है, और जब सरकारें, समुदाय और व्यक्ति एकजुट होते हैं तो असंभव वास्तविकता बन जाता है।

भारत सिर्फ़ टीबी से नहीं लड़ रहा है- हम इसे हरा भी रहे हैं।

-लेखक भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हैं

आज का पंचांग

कोलकाता : 25 मार्च, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, चैत्र कृष्णपक्ष एकादशी, 27:44 तक, नक्षत्र : श्रावण, 27:40 तक, योग : शिव, 14:41 तक, सूर्योदय: 5:37, सूर्यास्त: 17:49, चन्द्रोदय : 02:34, चन्द्रास्त: 13:37, शक सम्वत: 1946 क्रोधी, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : मकर, राहू काल : 14:44 से 16:14

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातक इनवेस्टमेन्ट या जमीन जायदाद का सौदा करने की सोच रहे हैं तो इस काम में आपको सफलता मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में किए गए कार्यों का लाभ मिलेगा।

वृष : आपको अपनी दूरदर्शिता और अनुभव का लाभ मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में आपके अनुभव को दूसरे लोग भी भांपने लगे हैं और आपको इसका फायदा भी मिलेगी।

मिथुन : मिथुन राशि के लिए कामकाज और करियर के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आपके कार्यक्षेत्र के वातावरण में सुधार होगा। आप एक्टिव होकर अपने काम को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

कर्क : कर्क राशि के लिए दिन कुछ नयापन लेकर आ रहा है। आपके किए गए प्रयास सफल होंगे और आपको लाभ की प्राप्ति होगी। आपको आज व्यापार में अच्छी डील मिल सकती है।

सिंह : सिंह राशि के जातकों को परिश्रम और लगन से लाभ मिलेगा। आपका कोई काम अटक सकता है लेकिन आपको अधीर और परेशान होने की जरूरत नहीं है।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करना पड़ सकता है। आप अपने काम से छुट्टी लेने का भी प्लान कर सकते हैं। नौकरी में आपको कुछ पेंडिंग काम को निपटान होगा।

तुला : तुला राशि के लोगों का काम आज सुचारू रूप से चलेगा। आपको कामकाज में परिवार का भी सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। आपको अपना फंसा हुआ पैसा मिल सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लिए दिन लाभदायक रहेगा। आपके द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय सार्थक और सफल होगा। किसी के द्वारा किया गया सहयोग आपके लिए वरदान सिद्ध हो सकता है।

धनु : आपके लिए दिन कामकाज के लिहाज से व्यस्तता भरा रहेगा। आपको कुछ नई जिम्मेदारी मिल सकती है। घर परिवार से संबंधित मामलों में आपको धन खर्च करना होगा।

मकर : काफी समय से किसी मित्र के साथ पैदा हुए तनाव दूर सकता है। आपके कामकाज में सकारात्मक स्थिति बनी रहेगी। किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन और सहयोग भी आपको प्राप्त होगा।

कुम्भ : आपको अपने कामकाज में सतर्क रहना चाहिए। कुछ लोग आपको गलत सलाह या सुझाव दे सकते हैं जिससे आपका नुकसान हो सकता है। पूर्व में किया गया निवेश लाभ दिलाएगा।

मीन : मीन राशि के जातकों को सोच समझकर कोई भी फैसला लेना होगा। जल्दबाजी के काम से नुकसान हो सकता है। वैसे आज आपका मन काम के प्रति उचाट रहेगा।

वर्ग पहेली नं. 3042

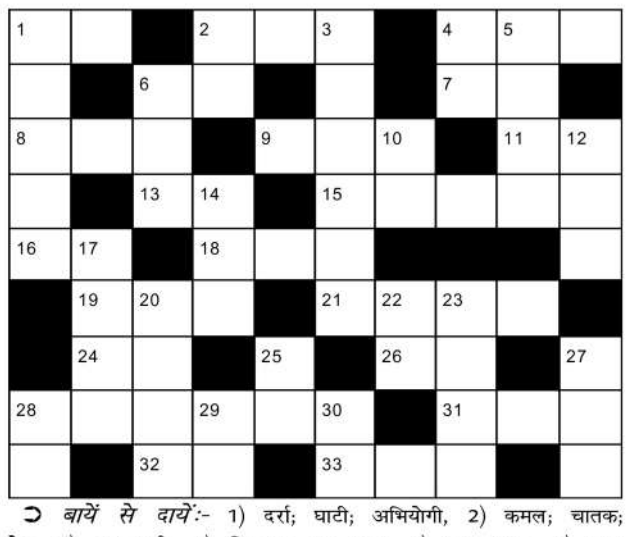

⊃ *बायें से दायें:-* 1) दर्रा; घाटी; अभियोगी, 2) कमल; चातक; मोर, 4) एक नदी, 6) विकल्प; पशु खाद्य, 7) एक धातु, 8) सात फेरे; परिणय, 9) ताँबा-जस्ता मिश्रण, 11) शक्ति; अधिकारक्षेत्र, 13) पर्यन्त, 15) डाँटना, 16) धातु का सूत, 18) सुझाव, 19) शहर, 21) किंतु परंतु; दोष निकलना, 24) बायाँ, 26) दूर के पदार्थों को संकेत करनेवाला या परोक्ष वस्तुओं का सूचक शब्द, 28) मधुर मंद हास्य, 31) दियासलाई, 32) पौधे का डंठल, 33) क्रय विक्रय; लेवा बेची. ⊃ *ऊपर से नीचे:-* 1) तथ्य; यथार्थता, 2) सविस्तार; संपूर्ण, 3) भ्रममूलक बात, 4) फूल का एक वृक्ष, 5) समाकार; हमेशा, 6) आसक्ति; प्रेम; इच्छा; लालसा, 10) अलक-पाश; केशगुच्छ, 12) कवच; अंगत्राण, 14) भूल; कमी, 17) अंतःपुर; ज़नानख़ाना, 20) महकना, 22) हाल का, 23) अतिथि, 25) केसरी, 27) कृषि उत्पादन, 28) मौलवी, 29) एक द्रव्य जिसे सुगंधित धुएँ के लिए जलाया जाता है, 30) यान का छत. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

अ	र	मा	न	■	दा	ल	मो	ठ	■
ध्रु	■	■	था	का	व	ट	■	ग	ला
श	बा	ब	■	म	त	■	अ	■	व
ती	■	ल	ट	का	■	अ	ग्र	ग	ण्य
■	बे	वा	■	ज	ब	■	■	र	■
च	ल	न	■	■	स	म	झ	दा	र
म	ना	■	स	भी	■	हा	ट	■	ह
की	■	बिं	■	त	ल	क	■	रो	म
ला	ड़	दु	ला	र	■	वि	सं	ग	त

⊃ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-3002

7							3	5
					1			
							7	
9						1		4
			6	5				
						8		
	4	1				2		
			3	7				
	8							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3001 का उत्तर

8	6	3	7	4	9	2	5	1
9	4	2	5	3	1	7	6	8
7	1	5	2	8	6	4	3	9
2	7	1	9	6	5	8	4	3
4	5	8	3	7	2	9	1	6
6	3	9	8	1	4	5	7	2
5	2	6	4	9	3	1	8	7
3	8	4	1	2	7	6	9	5
1	9	7	6	5	8	3	2	4

डेंगू-मलेरिया का खतरा बढ़ा, कोलकाता नगर निगम ने 68 वार्डों को सतर्क रहने को कहा

कोलकाता : डेंगू और मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों को रोकने के लिए कोलकाता नगर निगम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस महीने की शुरुआत में नबन्ना में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें शहर की सफाई व्यवस्था और स्वास्थ्य प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए गए। प्रत्येक नगर पालिका और पंचायत क्षेत्र को साफ-सफाई सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई।

पिछले वर्षों के आंकड़ों के आधार पर जिन इलाकों में डेंगू के अधिक मामले सामने आए थे, उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। इसी के तहत कोलकाता नगर निगम के डिप्टी मेयर अतिन घोष ने 68 वार्डों को 'खतरनाक' घोषित किया है। इन वार्डों में 2, 4, 7, 14, 26, 31, 33, 36, 48, 55, 57, 59, 61, 62, 65, 69, 77, 79, 81, 82, 85, 86, 88, 103, 105, 110, 112, 115, 117, 118, 121, 122, 124, 126, 127, 129, 131, 144 शामिल हैं।

सोमवार को अतिन घोष ने कहा, आज से डेंगू-मलेरिया के खिलाफ अभियान की शुरुआत की गई।

2023 की तुलना में 2024 में डेंगू के मामले दुनियाभर में बढ़े हैं। चीन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। कोलकाता में पहली बार हमने 'मॉर्निंग डेटा कलेक्टर' योजना शुरू की है, जिसमें सुबह के समय डेंगू के आंकड़े ऑनलाइन दर्ज किए जाते हैं। इससे आम जनता को पता चलता है कि उनके वार्ड में डेंगू के कितने मरीज हैं।

अतिन घोष ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 2024 में इन 68 वार्डों में 1 से 10 डेंगू के मामले दर्ज हुए हैं। रोकथाम के लिए कई जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। विभिन्न सरकारी विभागों के साथ समन्वय बैठकें हो रही हैं, और प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट से घरों की जानकारी लेकर उन इलाकों की निगरानी की जा रही है जहां सफाई की जरूरत है।

❑ 26 मार्च से शुरू होगा स्वास्थ्य प्रशासनिक बैठक का दौर

नगर निगम ने 26 मार्च से स्वास्थ्य प्रशासनिक बैठकें शुरू करने का फैसला किया है। इन बैठकों में उन क्षेत्रों की पहचान की जाएगी जहां पुरानी और खाली पड़ी फैक्ट्रियां हैं। नगर निगम ने अब तक सफाई नियमों का उल्लंघन करने वालों से 39 लाख रुपये का जुर्माना वसूला है।

❑ डेंगू रोकथाम के लिए बड़े स्तर पर सफाई अभियान

नगर निगम की ओर से हर बुधवार और शनिवार को लाउडस्पीकर के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जून तक पूरे शहर में सफाई अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

डिप्टी मेयर अतिन घोष ने बताया, हमने प्रत्येक वार्ड में चिन्हित स्थानों पर 496 धारा के तहत नोटिस लगाए हैं, 499 धारा के तहत कार्रवाई भी की गई है। डेंगू रोकथाम के लिए 32 मोबाइल टीमें और 144 वेक्टर कंट्रोल टीमें तैनात की गई हैं।

नगर निगम के पास 455 और 456 धाराओं के तहत यह अधिकार है कि यदि कोई घर लंबे समय से बंद है और वहां डेंगू-मच्छरों के पनपने की आशंका है, तो घर का ताला तोड़कर सफाई की जा सकती है। हालांकि, कई बार पुलिस इसमें सहयोग नहीं करती, इसलिए पुलिस कमिश्नर को भी इस संबंध में पत्र लिखा गया है। अब तक 45 केस दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 3 मामले इसी साल के हैं।

नगर निगम की इस सख्ती से साफ है कि इस बार डेंगू और मलेरिया के खिलाफ अभियान में कोई ढील नहीं दी जाएगी।

वित्त मंत्री को 'टैरिफ नीति' घोषित करनी चाहिए : सौगत रॉय

नयी दिल्ली : तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाए जाने की घोषणा का हवाला देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 'टैरिफ नीति' देश के समक्ष रखनी चाहिए। उन्होंने सदन में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि अमेरिका ने जिस तरह से 'टैरिफ' की घोषणा की है उसका भारत की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर हो सकता है। रॉय ने कहा, 'निर्मला सीतारमण को 'टैरिफ पॉलिसी' की घोषणा करनी चाहिए।' उनका कहना था कि व्यापार को लेकर एक समान नीति होनी चाहिए, जो नहीं है। रॉय ने कहा कि ट्रंप के कदमों से भारत को मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्वीकार करना चाहिए कि देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब है। चर्चा में भाग लेते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के अमरा राम ने कहा कि सरकार बड़ी कंपिनयों के 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बट्टे खाते में डाल देती है, लेकिन आम लोगों को राहत नहीं देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों के साथ भेदभाव करती है।

लंदन की सड़कों पर ममता बनर्जी: हाइड पार्क में साड़ी और चप्पल पहनकर मॉर्निंग वॉक, सफर में भी जारी रहा परंपरागत अंदाज

लंदन/कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन दिनों आधिकारिक दौरे पर लंदन में हैं, लेकिन व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी उनकी परंपरागत दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में उन्हें लंदन के प्रसिद्ध हाइड पार्क में साड़ी और चप्पल पहनकर तेज़ क़दमों में मॉर्निंग वॉक करते देखा गया। उनके साथ उनके सहयोगी भी थे, जिन्हें वह अपनी तेज़ रफ़्तार बनाए रखने के लिए प्रेरित कर रही थीं।

ममता बनर्जी की यह ऊर्जा और अथक परिश्रम कोई नई बात नहीं है। बंगाल की राजनीति में उनकी पहचान ही एक ऐसी नेता के रूप में है जो रैलियों और जनसभाओं में भी लंबी दूरी पैदल चलकर तय करती हैं। यह वीडियो देखकर लोग उनकी इस अनथक कार्यशैली और सादगीपूर्ण जीवनशैली की तारीफ़ कर रहे हैं।

लंदन पहुंचने के बाद ममता बनर्जी ने एक ट्वीट कर लिखा कि बंगाल और ब्रिटेन के बीच संबंध ऐतिहासिक हैं, जो संस्कृति, वाणिज्य और परंपराओं से जुड़े हैं। लंदन, कोलकाता की तरह ही अपने अतीत का भार उठाए हुए एक ऐसा शहर है, जो आधुनिकता को अपनाने के साथ-साथ अपनी ऐतिहासिक विरासत को भी संजोकर रखता है। उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा के दौरान वह ब्रिटेन और बंगाल के बीच संबंधों को और गहरा करने के लिए उत्सुक हैं।

उनकी इस यात्रा में कई महत्वपूर्ण मुलाकातें और चर्चाएं प्रस्तावित हैं, जो बंगाल और ब्रिटेन के आर्थिक तथा सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत करेंगी। लेकिन व्यस्त कार्यक्रमों के बीच भी ममता बनर्जी का नियमित मॉर्निंग वॉक और सादगीपूर्ण जीवनशैली उनके अनुयायियों और आलोचकों दोनों को प्रभावित कर रही है।

'व्हिप' के बावजूद अनुपस्थित रहने वाले पार्टी विधायकों की सूची बना रही है तृणमूल

❑ नामों की सूची बनने के बाद कार्रवाई के लिए तृणमूल की अनुशासन समिति शीर्ष नेतृत्व से करेगी चर्चा

कोलकाता : बंगाल विधानसभा के हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम दो दिनों के दौरान मंत्रियों और विधायकों की अनुपस्थिति पर चर्चा करने के लिए तृणमूल अनुशासन समिति की विधानसभा में बैठक हुई। बैठक में अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं राज्य के संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चटर्जी और तृणमूल के मुख्य सचेतक निर्मल घोष शामिल हुए। बैठक में तय हुआ कि उन दो दिनों में 'व्हिप' के बावजूद अनुपस्थित रहने वाले सभी विधायकों के नामों की सूची की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार की बैठक के बाद घोषणा की गई कि अनुशासन समिति सबसे पहले अनुपस्थित विधायकों के नामों की सूची पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करेगी। उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से, सत्र के अंतिम दिन कई मंत्री अनुपस्थित रहे, जो पार्टी के 'व्हिप' का उल्लंघन था। यह मुद्दा विधायक दल के ध्यान में आ गया है। इस पर संबंधित मंत्रियों के साथ भी चर्चा की जाएगी। जो लोग व्हिप का उल्लंघन करेंगे उन्हें समिति के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। इसके बाद तृणमूल अनुशासन समिति की इस महीने की 29 तारीख को फिर बैठक होगी। बैठक में सभी समिति सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक का नेतृत्व अध्यक्ष शोभनदेव करेंगे और इसमें निर्मल घोष, मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास और चंद्रिमा भट्टाचार्य सहित समिति के अन्य सदस्य भाग लेंगे। उस बैठक के बाद निर्णय की घोषणा की जाएगी।

सोमवार को बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव ने कहा कि कितने लोग अनुपस्थित थे, इसकी सूची तैयार की जा रही है। इसके बाद विधायकों को बुलाया जाएगा। उनसे बात करने के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। उधर, निर्मल घोष ने कहा कि पार्टी अनुशासन पार्टी का आंतरिक मामला है। इसलिए मैं अभी इस बारे में सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहूंगा। अनुपस्थित विधायकों के बारे में उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा।

गौरतलब है कि तृणमूल ने राज्य विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दो दिनों में विधायकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए तीन लाइन का 'व्हिप' जारी किया था। संसद या विधानसभा में 'व्हिप' जारी करने का मतलब है पार्टी के विधायकों को उपस्थित रहने का आदेश देना। यदि कोई 'व्हिप' जारी होने के बाद भी अनुपस्थित रहता है, और अनुपस्थिति का संतोषजनक कारण नहीं बताता है, तो ऐसे सांसदों या विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

बड़ाबाजार डकैती मामले में कोलकाता पुलिस को मिली बड़ी सफलता, बिहार से तीन अपराधी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने बड़ाबाजार इलाके में हुई डकैती के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार किया और अदालत के आदेश पर उन्हें अपनी कस्टडी में ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, बड़ाबाजार स्थित सिनेगॉग स्ट्रीट पर एक बहुमंजिला इमारत के पांचवें फ्लोर पर डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें अपराधियों ने 15 लाख रुपये लूटे थे। घटना के बारे में बताया गया कि इस महीने की शुरुआत में एक शाम बड़ाबाजार के सिनागॉग स्ट्रीट स्थित बहुमंजिला इमारत के पांचवे फ्लोर पर तीन अपराधी पहुंचे। उनके चेहरे

पर मास्क और सिर पर टोपी थी। वहां ज्यादा लोग नहीं थे, जिस कारण अपराधियों को आसानी से मौका मिल गया। उन्होंने एक व्यापारी को मारापीटा और फिर उसे बांधकर पांच लाख रुपये लूटे और फरार हो गए।

बड़ाबाजार थाने और लालबाजार के गोपनीय शाखा ने इस मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध की पहचान की गई, जो बड़ाबाजार के एक दुकान पर काम करता था। जांच में पता चला कि वह युवक बिहार के दानापुर का रहने वाला था। पुलिस ने दानापुर में छानबीन की और उसे गिरफ्तार किया। उसने डकैती की योजना बनाना स्वीकार किया और बताया कि उसे जानकारी थी कि उस ऑफिस में नकद पैसे रखे थे। उसने दो अन्य युवकों के साथ मिलकर इस डकैती को अंजाम दिया, जो पटना और धनबाद के रहने वाले थे। पुलिस ने पटना और धनबाद में छापेमारी की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों को कोलकाता लाकर सोमवार को अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत के आदेश पर उन्हें पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

पिछले 3 वर्षों में निजी अस्पतालों में स्वास्थ्यसाथी से कितने मरीजों का हुआ इलाज, स्वास्थ्य आयोग ने मांगी जानकारी

कोलकाता, समाज्ञा : स्वास्थ्य आयोग द्वारा पिछले 3 वर्षों में निजी अस्पतालों में स्वास्थ्यसाथी योजना के तहत इलाज कराए गए मरीजों के आंकड़े मांगे गए हैं। आयोग का कहना है कि जो निजी अस्पताल सबसे अधिक सेवा प्रदान करेंगे, उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, सोमवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निजी अस्पतालों को सरकारी स्वास्थ्य योजना के लिए 10 प्रतिशत बेड आरक्षित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्यसाथी परियोजना के तहत पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के कई लोग लाभान्वित हुए हैं, हालांकि इस योजना को लेकर कई शिकायतें भी सामने आई हैं। विशेष रूप से, जब मरीज निजी अस्पतालों में स्वास्थ्यसाथी के तहत इलाज कराते हैं, तो यह स्पष्ट नहीं होता कि योजना के अंतर्गत कितना खर्च आएगा। इसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सोमवार को राज्य के 47 बड़े निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम के अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। उनका कहना था कि आयोग को खर्च की सीमा तय करनी चाहिए।

चिड़ियाघर ने पहाड़ियों पर वन्यजीवों के डीएनए नमूनों को संरक्षित करने के लिए परियोजना शुरू की

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में स्थित 'पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क' भारत का पहला चिड़ियाघर है, जो विशेष रूप से बर्फीले क्षेत्रों में पाए जाने वाले वन्यजीवों के डीएनए नमूनों को संरक्षित करता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्य वन्यजीव वार्डन देबल रॉय ने सोमवार को बताया कि पहचान के लिए देशी जानवरों के 60 डीएनए नमूने पहले ही एकत्र किए जा चुके हैं। रॉय ने बताया, सड़क दुर्घटनाओं या कैद में मारे गए लाल पांडा, हिम तेंदुए और अन्य देशी प्रजातियों सहित जानवरों के ऊतकों को उनके डीएनए को संरक्षित करने के लिए एकत्र किया गया है। उन्होंने बताया, हमने 2023 में इस परियोजना पर काम करना शुरू किया था और यह एक सतत प्रक्रिया है। हैदराबाद स्थित 'सेलुलर एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी फॉर सेंटर' के सहयोग से की गयी इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अगर ये प्रजातियां विलुप्त होती हैं, तो उनकी संरक्षित आनुवंशिक नमूने अनुसंधान और भविष्य के संरक्षण प्रयासों में सहायता कर सकते हैं। चिड़ियाघर के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चिड़ियाघर हिमालयी क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता पर अनुसंधान जारी रखेगा। एक अधिकारी ने बताया, चिड़ियाघर के अंदर एक समर्पित प्रयोगशाला स्थापित की गई है, जहां डीएनए नमूनों को ठंडे तापमान पर तरल नाइट्रोजन से भरे स्टील के कंटेनरों में संग्रहीत किया जाता है।

रामनवमी पर अशांति फैलाने की साजिश रच रहीं ममता : शुभेंदु

❑ भाजपा विधायक ने कहा- 'औरंगजेबों की चमड़ी उधेड़ कर रख देंगे

कोलकाता : भाजपा विधायक व बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रामनवमी पर अशांति फैलाने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। 'औरंगजेबों की चमड़ी उधेड़ कर रख देंगे।

दूसरी ओर भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख व बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा कि ममता सिर्फ मुस्लिमों के भरोसे सत्ता में बने रहना चाहती हैं इसलिए 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले जितना संभव हो सके, हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास कर रही हैं। मतुआ समुदाय के प्रति उनके

मन में भारी रोष है। हिंदू शरणार्थियों को भारत की नागरिकता न मिल पाए, इसके लिए उन्हें नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का भारी विरोध किया था। मुस्लिमों की भीड़ को बंगाल की सड़कों पर उतरकर तांडव मचाने दिया था, हालांकि वे इसे लागू होने से रोक नहीं पाईं। अब हिंदू शरणार्थी नागरिकता के लिए आवेदन न करें, इसके लिए उन्हें डराने की कोशिश कर रही हैं। मालवीय ने आगे कहा कि अगर बंगाल को बांग्लादेश में बदलने से बचाना है तो 2026 के चुनाव में ममता को सत्ता से हटाना जरुरी है।

अजगर के सिर में बड़ा ट्यूमर! शीतनिद्रा से जगाकर अलीपुर अस्पताल में हुआ ऑपरेशन

कोलकाता : अलीपुर चिड़ियाघर के एक 13 फुट लंबे बर्मीज अजगर के सिर पर बड़ा ट्यूमर उग आया था, जिसे शीतनिद्रा से जगाकर सर्जरी के जरिए हटा दिया गया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने बाड़े में लौट चुका है।

सांप आमतौर पर दिसंबर से फरवरी तक शीतनिद्रा में रहते हैं और इस दौरान भोजन नहीं करते। इस समय उन्हें जगाने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए चिड़ियाघर के सरीसृप गृह में दूर से लगातार निगरानी रखी जाती है। करीब डेढ़ महीने पहले अजगर के सिर और गर्दन के बीच सूजन देखी गई, जिससे चिड़ियाखाने के कीपर सतर्क हो गए। तत्काल पशु चिकित्सकों को बुलाया गया। जांच के बाद पता चला कि यह एक बड़ा ट्यूमर है, जो तेजी से बढ़ रहा है। अगर तत्काल ऑपरेशन नहीं किया जाता, तो अजगर की जान भी जा

सकती थी। इसलिए उसे तुरंत अलीपुर पशु अस्पताल ले जाया गया, जहां अल्ट्रासाउंड (यूएसजी) और एक्स-रे किया गया। रिपोर्ट देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए क्योंकि ट्यूमर काफी बड़ा और खतरनाक जगह पर था।

अलीपुर में इससे पहले एक दरियाई घोड़े (हिप्पोपोटेमस) के मसूड़ों में ट्यूमर का ऑपरेशन किया गया था, लेकिन उसकी मृत्यु हो गई थी। इसलिए इस बार डॉक्टरों ने पूरी सावधानी बरती। ऑपरेशन से पहले अजगर को उसके वजन के अनुसार एनेस्थीसिया दिया गया। हालांकि, सांपों में एनेस्थीसिया के कारण खतरा अधिक होता है, क्योंकि ऑपरेशन के बाद होश आएगा या नहीं, यह सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। हालांकि अब गैस एनेस्थीसिया की सुविधा से जोखिम कम हुआ है। इसके बावजूद ट्यूमर की स्थिति के कारण यह ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था।

आखिरकार, अलीपुर पशु अस्पताल के अनुभवी पशु चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक सर्जरी कर अजगर के सिर से ट्यूमर हटा दिया। ऑपरेशन के बाद उसे अस्पताल में कुछ दिनों तक रखा गया और जब वह पूरी तरह ठीक हो गया, तब उसे वापस चिड़ियाघर लाया गया। उसकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है।

राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव सौरव चौधरी ने बताया कि अलीपुर पशु अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने यह ऑपरेशन किया। पहले चिड़ियाघर के जानवरों की छोटी-मोटी जांच के लिए बेलगछिया पशु अस्पताल ले जाया जाता था, लेकिन अब अलीपुर में ही आधुनिक पशु अस्पताल बना दिया गया है। यहां पर अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे, एंडोस्कोपी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। जरूरत पड़ने पर बाहरी मशीनों का भी उपयोग किया जाता है।

अलीपुर पशु अस्पताल के एनिमल हेल्थ पैथोलॉजी लैब की प्रमुख वैशाखी चक्रवर्ती ने बताया कि यह लैब चिड़ियाघर के जानवरों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। हाल ही में अजगर सहित कई जानवरों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन ने इस लैब से यूएसजी मशीन मंगवाई थी।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

स्टोर्स सामग्री की प्राप्ति हेतु **ई-निविदा सूचना सं. 15/24-25 दिनांक 24.03.2025,** निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदाएँ **www.ireps.gov.in** पर पूरे विवरण के साथ पहले ही अपलोड कर दी गई हैं। मैनुअल बोली स्वीकार नहीं की जाएगी। किसी भी शुद्धिपत्र/संशोधन को केवल उपर्युक्त वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि और समय
01255009	टीएम 3701बीवाई/सी3701बीएक्स के लिए सस्पेंशन ट्यूब असेंबली किट (13 आइटमों से संलग्न)	100 सेट	12.04.2025 को 14.00 बजे

प्रधान सीएमएम, मेट्रो रेलवे, कोलकाता

हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 21.03.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.: टीएन-266-24-25, कार्य का नाम:** (i) एलएचबी रेक रखरखाव सुविधा के लिए 2 कॉम्पैक्ट सब-स्टेशन सह एनएसएस यार्ड, सियालदह में 6 केवी सीईएससी फीडिंग पॉइंट के साथ नए सबस्टेशन को आरंभ करने के लिए विद्युत कार्य और (ii) बी.आर. सिंह अस्पताल में-सिविल इंजीनियरिंग कार्य जिसमें वीआरएफ एसी सिस्टम प्रदान करना और विभिन्न यूनिट बीआरएसएच और मेट्रो बिल्डिंग में पुराने एसी प्लांट को बदलना शामिल है। **निविदा मूल्य:** रु.90,57,600.08, **बयाना राशि:** रु.1,81,200/-, **निविदा कागजात का मूल्य (अप्रतिदेय):** शून्य। **कार्य की समापन अवधि:** 09 (नौ) माह । **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.04.2025 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 17.04.2025 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-387/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EastemRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : डब्ल्यू_एलएलएच_29_2024-25, दिनांक 19.03.2025, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बिजली, सवारी एवं मालडिब्बा कारखाना, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए तकनीकी संपन्न निविदाकारों से ई-निविदा (खुली निविदा) ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** आरडीएसओ स्पेसि. नं. आरडीएसओ/पीई/एसपीईसी /एसी/0084-2008 (रिव-1) या नवीनतम के अनुसार उच्च क्षमता की पावर कार के लिए डीजल इंजन-अल्टरनेटर सेट की आपूर्ति, स्थापना, आरंभ करना और परीक्षण। आरएसपी ईआर एलबी आइटम नं. 797 ऑफ 2024-25 (573 ऑफ 2023-24) के तहत सीपीसीबी-II उत्सर्जन मानदंडों या नवीनतम का अनुपालन करने वाला इंजन = 06 अदद। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु. 4,69,05,000/-, **बयाना राशि:** रु. 3,84,500/-**निविदा के बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 11.04.2025 को 14.00 बजे। वेबसाइट जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण यहाँ उपलब्ध है: **www.ireps. gov.in**

MISC-397/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं.: पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/एचडब्ल्यूएच/ई-प्रोक्योरमेंट/25/15, दिनांक: 20/03/2025 | भारत के राष्ट्रपति की ओर से पीसीएमएम/चिरेका/हावड़ा निम्नलिखित सामग्रियों की आपूर्ति के लिए स्थापित विश्वसनीय निर्माता से इलेक्ट्रॉनिक बोलियां आमंत्रित करते हैं। निम्नलिखित ई-निविदा/निविदाएँ विद्युत रेल इंजन के निर्माण के लिए सामग्रियों की आपूर्ति हेतु हैं। प्रत्याशित/संभावित आपूर्तिकर्ताओं से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने का अनुरोध किया जाता है। ये ई-निविदाएँ हैं; इन निविदाओं के लिए किसी भी परिस्थितियों में मैनुअल प्रस्ताव बोलियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी; केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रस्ताव बोलियाँ ही स्वीकार की जाएंगी। विस्तृत निर्देशावलियों के लिए कृपया वेबसाइट का अवलोकन करें। **क्रम संख्या; निविदा संख्या; भंडारों का विवरण; मात्रा; नियत तारीख; निविदा की कीमत** निम्नलिखित हैं: **[050]; 14242505सी;** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0009/सी के अनुसार प्राइमरी वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर। [मात्रा सहनशीलता (±): 5%, आयटम की श्रेणी: सामान्य, कुल पीओ मूल्य भिन्नता की अनुमति: अधिकतम 8 लाख]; **निविदा/दस्तावेज के अनुसार; 08/04/2025;** रु. 0.00। **[051]; 14242543डी; (1)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट के साथ एसी सर्किट ब्रेकर 41ए, 3 पोल (टाइप-16) 02 संख्यक (02 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकरों के साथ 02 संख्यक ऑक्जीलरी कंटैक्ट युक्त एक सेट 02 अदद), **(2)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/ 0037/एच के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट (टाइप-1) के बगैर सर्किट ब्रेकर 6ए अथवा 10ए, **(3)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ ईएस/3/0037/एच के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट (टाइप-2) के बगैर सर्किट ब्रेकर, **(4)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0037/एच के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट (टाइप-3) के बगैर सर्किट ब्रेकर, **(5)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट के साथ एसी सर्किट ब्रेकर 63ए, 3 पोल (टाइप-17) 02 संख्यक (04 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकरों के साथ 04 संख्यक ऑक्जीलरी कंटैक्ट युक्त एक सेट 02 अदद), **(6)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट के साथ एसी सर्किट ब्रेकर 6ए अथवा 10ए, 3 पोल (टाइप-18) 02 संख्यक (**i**. 07 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकरों के साथ 06 संख्यक ऑक्जीलरी कंटैक्ट युक्त एक सेट 02 अदद, **ii**. लोको में एसी सिस्टमों में फीटिंग के लिए 01 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकर तैयार किया जाएगा), **(7)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार एसी सर्किट ब्रेकर 6ए अथवा 10ए, 1 पोल (टाइप-20) (सिर्फ 02 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकर युक्त एक सेट), **(8)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट के साथ एसी सर्किट ब्रेकर 16ए, 3 पोल (टाइप-14) 02 संख्यक (02 संख्यक एसी सर्किट ब्रेकरों के साथ 02 संख्यक ऑक्जीलरी कंटैक्ट युक्त एक सेट 02 अदद), **(9)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0096/एल के अनुसार एसी सर्किट ब्रेकर 11ए, 1 पोल संशोधित (टाइप-21), **(10)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0037/एच के अनुसार ऑक्जीलरी कंटैक्ट (टाइप-7) के बगैर सर्किट ब्रेकर, **(11)** चिरेका विनिर्देश सं. सीएलडब्ल्यू/ईएस/3/0037/एच के अनुसार ऑक्जीलरी कम्प्रेशर (टाइप-6) के लिए ऑक्जीलरी कंटैक्ट के बगैर सर्किट ब्रेकर। [मात्रा सहनशीलता (±): 5%, आयटम की श्रेणी: सामान्य, कुल पीओ मूल्य भिन्नता की अनुमति : अधिकतम 8 लाख]; **निविदा/दस्तावेज के अनुसार; 10/04/2025;** रु. 0.00।

[PR4-860] पीसीएमएम/चिरेका/हावड़ा

हमें अनुसरण करें: www.facebook.com/clwrailways

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं. : ईएल-एएसएन-सीओएन-पीएसआई-169-2025-एनआईटी, निविदा सं. : ईएल-एएसएन-सीओएन-पीएसआई-169-2025, दिनांक 20.03.2025, उप मुख्य बिजली इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पश्चिम बर्द्धमान, आसनसोल-713301 द्वारा पर्याप्त अनुभवी एवं यथा वित्तीय सम्पन्न विद्युत ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्मों आदि से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में नया अंडाल-प्रधानखुंटा मल्टी ट्रैकिंग कार्य के संबंध में अंडाल-प्रधानखुंटा शाखा में विभिन्न स्थानों पर एससीएडीए और ऑटोमेटिक फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) सहित वी-कनेक्टेड ट्रांसफार्मर के साथ 2X25केवी सिस्टम में 132 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (एसपी) और सब सेक्शनिंग पोस्ट (एसएसपी) की डिजाइन, ड्रॉइंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और आरंभ करना। **निविदा मूल्य:** रु.54,49,19,877.50, **बयाना राशि:** रु.28,74,600/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **समापन अवधि :** 36 माह। **अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 21.04.2025 को 15.00 बजे। इस निविदा के लिए ऊपर वर्णित निविदा की अंतिम तिथि और समय पर या उससे पहले ऊपर उल्लिखित "निविदा कागजात की लागत" एवं "बयाना राशि" के ऑनलाइन भुगतान के बाद **www.ireps.gov.in** से निविदा कागजात डाउनलोड किया जा सकता है एवं बोली जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से संपूर्ण निविदा एवं ऊपर वर्णित सभी कागजात **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किए जाने चाहिए। निविदा के लिए बोली उक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण (यदि कोई है) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। यह निविदा सूचना उप मुख्य बिजली इंजीनियर/निर्माण, आसनसोल, पश्चिम बर्द्धमान, आसनसोल-713301 के सूचना पट में भी देखी जा सकती है।

CON-95/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

महा मटुआ मेला के दौरान ईएमयू स्पेशल

ठाकुरनगर में महा मतुआ मेला के दौरान तीर्थयात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **दिनांक 26.03.2025 एवं 27.03.2025 को** नीचे उल्लेखित अतरिक्त ईएमयू स्पेशल ट्रेनें निम्नानुसार चलाई जाएंगी:-

दिनांक 26.03.2025 को ठाकुरनगर तक अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल ट्रेनें

गेदे एवं लालगोला से ठाकुरनगर के लिए स्पेशल ट्रेनें

स्टेशन ↓	गेदे-ठाकुरनगर स्पेशल		स्टेशन ↓	ललगोला-ठाकुरनगर स्पेशल	
	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
गेदे	-	06.45	लालगोला	-	04.50
रानाघाट	07.43	07.45	रानाघाट	08.05	08.06
माझेरग्राम	08.05	08.11	माझेरग्राम	08.26	08.47
बनगाँव जं.	08.38	08.45	बनगाँव जं.	09.12	09.16
ठाकुरनगर	09.00	-	ठाकुरनगर	09.31	-

कैनिंग एवं नामखाना से ठाकुरनगर तक स्पेशल ट्रेनें

स्टेशन ↓	कैनिंग-ठाकुरनगर स्पेशल		स्टेशन ↓	नामखाना-ठाकुरनगर स्पेशल	
	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
कैनिंग	-	06.35	नामखाना	-	05.00
बालीगंज	07.37	07.38	बालीगंज	07.40	07.50
दमदम जंक्शन	08.11	08.12	दमदम जं.	08.30	08.31
ठाकुरनगर	09.35	-	ठाकुरनगर	09.55	-

दिनांक 27.03.2025 को ठाकुरनगर से अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल ट्रेनें

ठाकुरनगर से गेदे एवं लालगोला तक स्पेशल ट्रेनें

स्टेशन ↓	ठाकुरनगर-गेदे स्पेशल		स्टेशन ↓	ठाकुरनगर-लालगोला स्पेशल	
	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
ठाकुरनगर	-	16.35	ठाकुरनगर	-	15.45
बनगाँव जंक्शन	16.50	16.54	बनगाँव जंक्शन	16.00	16.01
माझेरग्राम	-	17.17	माझेरग्राम	-	16.24
रानाघाट	17.37	17.40	रानाघाट	16.45	16.46
गेदे	18.40	-	लालगोला	19.55	-

ठाकुरनगर से कैनिंग एवं नामखाना तक स्पेशल ट्रेनें

स्टेशन ↓	ठाकुरनगर-कैनिंग स्पेशल		स्टेशन ↓	ठाकुरनगर-नामखाना स्पेशल	
	आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
ठाकुरनगर	-	17.00	ठाकुरनगर	-	16.05
दमदम जंक्शन	18.22	18.23	दमदम जंक्शन	17.25	17.26
बालीगंज	18.50	18.58	बालीगंज	17.53	17.54
कैनिंग	20.15	-	नामखाना	20.45	-

ऊपर उल्लेखित स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान मार्ग में सभी स्टेशनों पर ठहरेगी।

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

क्या सामूहिक दुष्कर्म थी आरजी कर की घटना? हाई कोर्ट ने सीबीआइ से मांगा जवाब

❑ **सीबीआई से पूछा-क्या मामले में सुबूत मिटाने की आशंका के कोण पर भी जांच की जा रही है?**

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को सीबीआइ से कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में पिछले साल अगस्त में एक जूनियर डाक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में जांच की स्थिति पर स्पष्टीकरण मांगा है। हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है कि यह वारदात सामूहिक दुष्कर्म थी या नहीं। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष इस मामले में मृतका के माता-पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें उन्होंने नए सिरे से जांच की मांग की है।

अदालत ने सीबीआइ से अगली सुनवाई में कुछ अहम सवालों के जवाब देने को कहा है। न्यायाधीश ने सवाल किया कि यह किसी एक आरोपित द्वारा किया गया अपराध था या सामूहिक दुष्कर्म का मामला? क्या सीबीआइ ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70 लागू करने पर विचार किया, विशेष रूप से तब जब कई संदिग्ध शामिल हो सकते हैं? सीबीआइ इस मामले में पहले ही एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, लेकिन अदालत ने आगे की जांच और दूसरी चार्जशीट की स्थिति पर जानकारी मांगी है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह केवल केस डायरी की समीक्षा करेगी, न कि कोई औपचारिक रिपोर्ट। इसके साथ ही अदालत ने सीबीआइ से पूछा है कि क्या मामले में सामूहिक दुष्कर्म या सुबूत मिटाने की संभावना के कोण पर भी जांच की जा रही है। वहीं, मृतका के परिजन और मामले में याचिकाकर्ता ने इस दौरान अदालत की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया कि ट्रायल कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल करते समय सीबीआइ ने कहा था कि अपराध में बड़ी साजिश शामिल थी। ऐसे में उन्होंने मामले की आगे की जांच के लिए अर्जी की। जिस पर न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं की अर्जियों पर जांच के वर्तमान चरण और सीबीआइ द्वारा पेश की जाने वाली केस डायरी को देखने के बाद विचार किया जाएगा। उन्होंने सीबीआइ को अगली सुनवाई की तारीख 28 मार्च को केस डायरी पेश करने का भी निर्देश दिया।

बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने अगस्त 2024 में इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी थी। इस मामले में मुख्य आरोपित संजय राय, जो कि कोलकाता पुलिस का तत्कालीन सिविक वालेंटियर था, को घटना के एक दिन बाद 10 अगस्त 2024 को गिरफ्तार किया गया था। इस साल जनवरी में एक विशेष अदालत ने इस घटना में उसे दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुजयकृष्ण के घर के बाहर केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश

हाई कोर्ट ने भद्र की अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाई

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने सोमवार को प्राथमिक शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में आरोपित सुजयकृष्ण भद्र की अंतरिम जमानत की अवधि 22 अप्रैल तक बढ़ा दी। इस मामले में अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी। हाई कोर्ट ने इस दौरान सुजयकृष्ण की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए घर के बाहर केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। दरअसल सुजय ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय बल के जवान उसके निजी शौचालय का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके जवाब में सीबीआइ ने कहा कि निगरानी के लिए केंद्रीय बल के जवानों को तो घर पर ही रहना होगा।

न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्ब सिन्हा राय की खंडपीठ ने कहा कि सुजय के घर के बाहर अस्थायी निर्माण किया जाएगा, जहां जवानों के लिए बैठने और रहने की व्यवस्था होगी। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि डाक्टर और रिश्तेदार सुजयकृष्ण के घर जा सकेंगे। बैंक कर्मचारियों को भी प्रवेश की अनुमति होगी। ईडी ने 2023 में सुजयकृष्ण को गिरफ्तार किया था। बाद में इसी मामले में सीबीआइ ने उसे गिरफ्तार किया था।

❑ **पार्थ के दामाद के खिलाफ दी गवाही**

प्राथमिक शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में मुख्य गवाह व पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के दामाद कल्याणमय भट्टाचार्य के खिलाफ उसके मामा ने अदालत में गवाही दी है। उसने अदालत को बताया कि निदेशक होने के बावजूद कल्याणमय के कहने पर ही उसने कंपनी के सभी दस्तावेजों पर ध्यानपूर्वक पढ़े बिना हस्ताक्षर कर दिए। वह कल्याणमय पर काफी विश्वास करता था।

❑ **नाटक कर रहा है कुंतल : तापस**

प्राथमिकी शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार में आरोपित तथा फिलहाल जमानत पर रिहा तापस मंडल ने सोमवार को कहा है कि मामले में आरोपित व पूर्व टीएमसी नेता कुंतल घोष नाटक कर रहा है। तापस ने यह बात कुंतल के उस बयान के संदर्भ में कही, जिसमें उसने कहा था कि अदालत के बाहर दो लोगों ने उससे मंडल के नाम पर 19 करोड़ रुपये मांगे थे। तापस ने अदालत में आरोप लगाया कि कुंतल सुरक्षा पाने के लिए ऐसा कह रहा है।

शहर में आज

■ **श्री निबूतल्ला पंचायत गवरजा सेवा ट्रस्ट :** संगीतमय गवरजा गीत वंदना संध्या,14/1/1, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, क्लब भवन, श्री निबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब कक्ष में, बड़ाबाजार, कोलकाता-7, रात्रि 8 बजे से

■ **श्री निबूतल्ला पंचायत गवरजा सेवा ट्रस्ट :** संगीतमय गवरजा गीत वंदना संध्या,14/1/1, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, क्लब भवन, श्री निबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब कक्ष में, बड़ाबाजार, कोलकाता-7, रात्रि 9 बजे से

■ **श्री राणी सती जी शोभायात्रा समिति :** निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा, 24, गोयनका लेन, ढ़ाकापट्टी, बड़ाबाजार, कोलकाता-7, सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक

■ **बाबा श्री रामदेव जी प्राचीन मंदिर :** बाबा रामदेवजी की आरती, सायं 7 बजे से, 3, जगबंधु बोराल लेन, मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी हॉस्पिटल के सामने गली में, बड़ाबाजार, कोलकाता-7

■ **रजनी फाउंडेशन :** बाबा रामदेवजी की आरती, रात्रि 8 बजे से, 28/1ए, रतन सरकार गार्डेन स्ट्रीट, तारा सुंदरी पार्क के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता-7

■ **बाल किसन जी चांडक परिवार :** सांवरिया सेठ जी की आरती, सुबह 7 बजे से, चांडक निवास, शिव बाजार, मेदिनीपुर

■ **सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) :** खिचड़ी वितरण सीकर भवन के सामने सुबह 8:15 से 9:00 तक, फिजियोथेरेपी चिकित्सा सुबह 10:00 से 1:00 बजे तक, चक्षु चिकित्सा सुबह 11:00 से 12:00 बजे तक, दंत चिकित्सा अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक, होम्योपैथी चिकित्सा शाम 04:00 से 06:00 बजे तकख स्थान : सीकर भवन,1-ए, आशुतोष दे लेन, कोल-06

स्वर्ण, चांदी, आभूषण के वजन की शुद्धता के लिये इलेक्ट्रिक कांटा स्टाम्पिंग शिविर

कोलकाता : बंगीय स्वर्ण शिल्पी समिति, बड़ाबाजार शाखा की ओर से राज्य सरकार के निर्देशानुसार मैट्रोलोजी विभाग के अधिकारियों की देखरेख में शुद्ध वजन के उद्देश्य से कांटा स्टाम्पिंग शिविर लगाया गया है। संस्था के सचिव हरि प्रकाश सोनी ने बताया बड़ाबाजार के स्वर्ण शिल्पियों, व्यापारियों के प्रतिष्ठानों में स्वर्ण, चांदी, आभूषण आदि के वजन की शुद्धता के लिये उपयोगी इलेक्ट्रिक कांटा स्टाम्पिंग शिविर 24 से 26 मार्च तक लगाया गया है। उन्होंने बताया संस्था के सदस्यों को परिचय पत्र एवम् सरकारी सुविधाओं की जानकारी देने के साथ सेवा कार्यों में कार्यकर्ता सक्रिय रहते हैं। प्रभुदयाल तोसावड़, पिंटू बराड़िया, गणेश भामा, सूरज सोनी, उमेश बामलवा, श्रवण कड़ेल, विनोद कड़ेल एवम् कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

जादवपुर के बाद अब रवींद्रभारती विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं का विरोध, उपकुलपति को कैंपस में घुसने से रोका

कोलकाता, समाज्ञा : जादवपुर विश्वविद्यालय के बाद अब रवींद्रभारती विश्वविद्यालय में भी छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। रवींद्रभारती विश्वविद्यालय के जोड़ासांको कैंपस में छात्रों ने उपकुलपति को कैंपस में घुसने से रोक दिया। छात्रों का आरोप है कि अस्थायी उपकुलपति अपने मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं, जिससे विश्वविद्यालय की गरिमा और अध्ययन के माहौल को नुकसान हो रहा है। छात्रों का यह भी कहना है कि उन्हें तुरंत स्थायी उपकुलपति नियुक्त किया जाए। यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, क्योंकि 2023 से रवींद्रभारती विश्वविद्यालय में अस्थायी उपकुलपति के तौर पर पूर्व न्यायाधीश शुभ्रकुमल मुखोपाध्याय नियुक्त हैं, और रजिस्ट्रार भी अस्थायी हैं। छात्रों का आरोप है कि इन अस्थायी अधिकारियों के कारण विश्वविद्यालय की संचालन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हाल ही में, बीटी रोड कैंपस में भी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था और अब जोड़ासांको में भी उपकुलपति को घुसने से रोकने की घटना सामने आई है।

उल्लेखनीय है कि 2023 में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने पूर्व न्यायाधीश शुभ्रकुमल मुखोपाध्याय को अस्थायी उपकुलपति नियुक्त किया था। छात्रों का आरोप है कि राज्यपाल ने अपनी पसंद से लोग नियुक्त किए हैं और इसलिए वे स्थायी उपकुलपति की नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। छात्रों ने इस मुद्दे को लेकर पोस्टर और बैनर के साथ रवींद्रभारती विश्वविद्यालय के गेट पर प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए विरोध प्रदर्शन किया। अब इस मामले में स्थायी उपकुलपति और रजिस्ट्रार की नियुक्ति को लेकर जल्दी बैठक होने की संभावना है।

चिरेका की ईएलएएयू डानकुनी इकाई ने किया 150वें रेल इंजन को रवाना

चित्तरंजन : भारतीय रेल की अग्रणी विद्युत् रेल इंजन इकाई चिरेका की सहायक इकाई ईएलएएयू डानकुनी ने वित्त वर्ष 2024 -25 के 150 रेल इंजन का निर्माण कर सफलता का नया मुकाम हासिल किया है। विजय कुमार, महाप्रबंधक/चिरेका ने 24 मार्च को चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) की इलेक्ट्रिकल लोको असेंबली और सहायक इकाई (ईएलएएयू) डानकुनी से उत्पादित 150वें रेल इंजन (डब्लूएजी 9 एचसी 42476) को समारोह पूर्वक झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे देश सेवा के लिए समर्पित किया गया। मौके पर विभागों के प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष गण, वरिष्ठ अधिकारी गण और कर्मचारीगण मौजूद थे।

नागरिक स्वास्थ्य संघ ने किया अपोलो हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण

कोलकाता : नागरिक स्वास्थ्य संघ ने अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से संघ नेत्रालय में सेवा शिविर में नागरिकों का निः शुल्क ब्लड शुगर, ई सी जी, ब्लड प्रेशर परीक्षण किया। डॉक्टर शंख शुभ्र दास, डॉक्टर तपन गोस्वामी, डॉक्टर एल एन ओझा ने रोगियों को स्वास्थ्य, हृदय रोग चिकित्सा सम्बंधित सलाह दी। नागरिक स्वास्थ्य संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय दमानी, उपाध्यक्ष इन्द्र कुमार डागा, सचिव विकास चन्द चांडक, मदन मोहन दमानी, आलोक दमानी, लक्ष्मी कुमार बियानी, गोवर्धन मूंधड़ा, संजय सांगानेरिया, बिमल बालासिया, हरि प्रकाश सोनी ने अतिथि डॉक्टर एवम् मेडिकल टीम का स्वागत किया। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एस एस दास ने मार्गदर्शन करते हुए कहा लाइफस्टाइल, वर्तमान कम्प्यूटर - मोबाइल युग में वर्क फ्रॉम होम, नशा - अल्कोहल का सेवन हृदय रोग एवम् अनेक क्रिटिकल बीमारियों का कारण है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल पर नियंत्रण के लिये डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिये । प्रकृति प्रदत्त फल, सब्जी, सरसों का तेल, शुद्ध भोजन, नियमित व्यायाम, मॉर्निंग वॉक स्वास्थ्य के लिये फायदेमंद है। अतिथि डॉक्टरों ने नागरिक स्वास्थ्य संघ के अध्यक्ष कुंजबिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता के मार्गदर्शन में नेत्र चिकित्सा के सेवा कार्यों की सराहना की। अवनीश पाल, प्रयागराज बंसल, गणेश प्रसाद लाखोटिया, मधुसूदन सफ्फड़, टीकमचंद चङ्गोईवाला एवम् कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

विश्व नवकार मंत्र दिवस की तैयारी जोरों पर, जीतो चेयरमैन ने किया विभिन्न सभाओं का दौरा

कोलकाता : आगामी 9 अप्रैल को नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले विश्व नवकार मंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर उत्तर हावड़ा सकल जैन समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक तेरापंथ ट्रस्ट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में उत्तर हावड़ा क्षेत्र के चारों जैन संप्रदायों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे, जहां कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

इस दौरान जीतो कोलकाता चैप्टर के चेयरमैन धर्मेंद्र जैन चोरड़िया ने लिलुआ, हिंदमोटर, उत्तर हावड़ा जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा एवं अग्रवाल दिगंबर समाज के विभिन्न सभाओं का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को कार्यक्रम से जोड़ना और आयोजन को सफल बनाने की योजना बनाना था।

इस बैठक में विभिन्न समाजों के पदाधिकारीगण शामिल हुए, जिनमें धर्मेंद्र जैन चोरड़िया (जीतो कोलकाता चेयरमैन), दिनेश गंगवाल (कार्यक्रम संयोजक), चंद्रेश मेघानी, विनोद संचेती, नरेंद्र बरडिया, विजय बावलियां, अजय भंसाली (कोलकाता सभाध्यक्ष), बुधमल लूनिया (निवर्तमान अध्यक्ष), जुगल किशोर बोथरा (उत्तर सभाध्यक्ष), प्रवीण सिंघी (मंत्री), विनीत कोठारी (टेयूप उत्तर हावड़ा अध्यक्ष), महेंद्र बांठिया (साधुमार्गी समाज), मनीष सुराणा (मंदिर मार्गी समाज), मनोज सरावगी, सुरेंद्र जैन (दिगंबर समाज), अनिता गंगवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

श्री दिगंबर जैन अग्रवाल समाज की ओर से जीतो समिति के पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमे पवन कुमार जैन - वर्किंग प्रेसिडेंट, अतुल जैन - वाइस प्रेसिडेंट, सज्जन कुमार जैन - सेक्रेटरी, अजीत सरावगी - जॉइंट सेक्रेटरी, राजेश सरावगी - जॉइंट सेक्रेटरी, निर्मल जैन - मेंबर नियुक्त किये गये।

इसके अतिरिक्त धर्मेंद्र जैन, दिनेश जैन गंगवाल, विनोद संचेती, विजय, रोमी भाई, अजय जैन रारा सहित कई अन्य प्रमुख सदस्य भी समिति में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने विश्व नवकार मंत्र दिवस को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

श्री सच्चियाय माता के चूनड़ी महोत्सव में उमड़ा भक्तों का सैलाब

कोलकाता : श्री सच्चियाय माताजी भक्त गण ने द्वितीय चूनड़ी महोत्सव का आयोजन रवीन्द्र सरणी स्थित एजे बैंकेट में किया। श्री सच्चियाय माता मंदिर के मुख्य सेवायत पं. शिव जी पुजारी ने दीप प्रज्वलन व मंत्रोच्चार के साथ समारोह का श्रीगणेश किया। दोपहर 2 बजे देर रात्रि तक चले समारोह में लगभग दो हजार से अधिक भक्तों ने उपस्थिति दर्ज कराई। कुल 331 परिवारों ने विधिवत नाचते-गाते माता रानी को चुनड़ियां अर्पित कीं। सर्वश्री जुगराज, जीतेंद्र, दिलीप कुण्डलिया परिवार (ओसियां हर्बल्स) मुख्य यजमान थे। सुमधुर गायक सर्वश्री देवेन्द्र बेंगानी, राजू मेहरा, हेमन्त बैद व डा. अरिहन्त सिंघी ने भजनों के माध्यम से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में पार्षद श्रीमती मीना पुरोहित, महेश शर्मा, राजेश सिन्हा, विजय ओझा तथा पूर्व विधायक संजय-स्मिता बक्शी तथा प्रकाश चण्डालिया भी पधारे। माताराती के अनन्य भक्त सर्वश्री संजीव नाहटा, जतन पारख, बसन्त सेठिया, महेन्द्र बैद, भानू कुण्डलिया, राजेश नाहर, धर्मेन्द्र डागा, सहित अन्य कई सुपरिचित सामाजिक जनों ने भी हाजरी लगाई।

कवि बनेचंद मालू की सद्य प्रकाशित काव्य कृति, लोकार्पित हुई 'चिंतन प्रवाह -4'

कोलकाता : सुप्रसिद्ध कवि श्री बनेचन्द मालू की सद्य प्रकाशित काव्य कृति 'विचार प्रवाह - 4' का लोकार्पण मॉरिशस के पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी तथा विश्वस्तरीय प्रख्यात लेखिका डॉ सरिता बुधु के कर कमलों से रविवार को सांय स्थानीय 'स्प्रिंग क्लब' के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन की अध्यक्षता की सुप्रसिद्ध साहित्यकार तथा प्रबुद्ध चिंतक डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी ने। मालूजी की काव्य प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए डॉ त्रिपाठी ने कहा कि उनकी रचनाएं छायावाद के रंग लिए वैचारिकता के साथ पाठकों को आकर्षित करती है। यह कवि की छठी कृति है जो क्रिकेट के छक्के के समान उर्ध्वगामी है। विमोचनकत्री डॉ सरिता बुधु ने मालूजी को उनकी रचनाधर्मिता के लिए बधाई दी और रचनाओं को पठनीय और संग्रहणीय बताया। आयोजन का श्रीगणेश श्रीमती रचना मालू के उतरो नभ पथ से ज्योति चरण उतरो के गीत से हुआ। इस अवसर पर सत्साहित्य संगम की ओर से संवेदनशील कवि मालूजी को उनके विशिष्ट साहित्यिक योगदान के लिए कवि श्री बंशीधर शर्मा तथा श्री महावीर प्रसाद बजाज ने अंगवस्त्र एवं अभिनन्दन पत्र भेंट कर स्वागत किया। श्री विजय कुमार झुनझुनवाला ने श्री मालू की काव्य सृजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी रचना उन्हें छायावाद से प्रभावित लगती है तथा उन्हें नई रचना के लिए प्रेरित करती है। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती कल्पना बैद ने कवि मालूजी की कार्य प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। सुशील बाफना ने मालूजी की पुस्तक की समीक्षा करते काव्य सृजन की प्रशंसा की। श्रीमती कमला बांठिया ने मालूजी की भूरि भूरि प्रशंसा की।सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती इन्दु चांडक ने मालूजी की रचनाओं की संगीतमय प्रस्तुति दी। सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री कमल दूगड़ ने मालूजी के व्यावसायिक, आध्यात्मिक व साहित्य क्षेत्र की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति बताया। श्री भागीरथ चांडक ने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से मालूजी के प्रति सम्मान प्रकट किया। श्री बनेचंद मालू ने कार्यक्रम में आगन्तुक सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया। श्री संजय मालू एवं श्रीमती पुष्पा मालू ने अतिथियों का स्वागत किया । धन्यवाद ज्ञापन किया श्रीमती रचना मालू ने तथा कुशल संचालन किया विदुषी डॉ. तारा दूगड़ ने।

इस अवसर पर सर्वश्री डॉ कमल किशोर मिश्र,अनिल नाहटा,सुरेन्द्र मुणोत, राजगोपाल सुरेका, आनन्दकुमार बैद, जयप्रकाश सेठिया, अशोक बैंगानी, रोहित दूगड़, गायत्री बजाज, राजेश दूगड़, गुलाब बैद, कमला छाजेड़, सरला मालू, संयम दूगड़ प्रभृति व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति से सभाकक्ष भरा था।

शहीद दिवस पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

हुगली, समाज्ञा : आजाद हिंद सेवा संस्थान द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर वीर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, एनसीसी कैडेट्स और गण्यमान्य अतिथियों ने भाग लिया। भारतीय एक्टिव ट्रेनिंग स्काउट, आर्यावर्त यूनाइटेड ट्रेनिंग अकादमी, सूर्यवीर यूनाइटेड ट्रेनिंग अकादमी, वॉरियर्स डिफेंस एकेडमी,फ्यूचर ब्राइट अकैडमी के तरफ से देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम की शुरुआत रिसड़ा बालिका उच्च विद्यालय ग्राउंड से एक विशेष परेड के साथ हुई, जिसमें एनसीसी कैडेट्स, युवाओं और देशभक्त नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात नेताजी सुभाष रोड स्थित मीना भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, नाट्य प्रस्तुति और शहीदों के जीवन पर प्रकाश डालने वाले प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर पार्षद मनोज साव, शशि सिंह झा और रिसड़ा थाना के पदाधिकारी सबुज विश्वास सहित कई गण्यमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिन्हें संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। पार्षद शशि सिंह झा ने शहीदों को नमन करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। संस्थान के सचिव आकाश कुमार गुप्ता ने सुंदरता से कार्यक्रम को संचालित किया।

महावीर सेवा सदन ने जोका में रिहैबिलिटेशन एवं रिसर्च सेंटर का किया उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : सेवा के क्षेत्र में प्रसिद्ध संस्था महावीर सेवा सदन की ओर से जोका के पैलान में नवीन प्रकल्प महावीर सेवा सदन रिहैबिलिटेशन एवं रिसर्च सेंटर का उद्घाटन स्वामी गुरु गोविंद देव गिरी जी, स्वामी श्री चिदानंद सरस्वती एवं कन्हैया अनुराग शास्त्री जी के कर कमलों से 22 मार्च को संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जे.एस. मेहता ने बताया कि महावीर सेवा सदन विगत 40 वर्षों से लाखों जरूरतमंदों को आत्मनिर्भरता एवं स्वालंबन से जोड़ने का जनकल्याण का कार्य कर रहा है है। इस मौके पर स्वामी चिदानंद महाराज ने कहा कि महावीर सेवा सदन ने परमार्थ आश्रम के साथ मिलकर दिव्यांगता मुक्त भारत का सपना देखा है वह अनुकरणीय है। मुख्य अतिथि श्री गुरू गोविंद देव गिरी जी ने कहा कि अगर हमें नर नारायण का दर्शन करना है हमें सेवा सदन में आ जाना चाहिए। अगर आज के कार्यक्रम में मैं शामिल नहीं होता तो मुझसे बहुत कुछ छूट जाता। पूज्य कन्हैया अनुराग शास्त्री जी ने सेवा सदन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। विशिष्ट अतिथि एवं प्रति राज्य परिवहन मंत्री, पश्चिम बंगाल, दिलीप मंडल ने आश्वस्त किया कि वे भविष्य में सेवा सदन को यथासंभव सहयोग करेंगे। आपको बता दें कि यह सेंटर 1 लाख 5 हजार वर्ग फीट में फैला है। आधुनिक तकनीक एवं उपकरणों से सुसज्जित इस केंद्र में कृत्रिम अंग निर्माण, मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के इलाज, शिक्षा, आवासादि, किचेन सहित मल्टी स्पेशलिएटी मेडिकल सेंटर, डॉयगोनस्टिक सेंटर, आई केयर सेंटर, फिजियोथैरिपी, दंत चिकित्सा आदि की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध है। दरअसल इस नए परियोजना का लक्ष्य यह है कि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सेवाएं पहुंचाई जाए। इस अवसर पर जोका प्रोजेक्ट से जुड़े कोलकाता के विभिन्न उद्योगपतियों, संस्थाओं, सरकारी कंपनियों, शुभचिंतकों को इस सेवा यज्ञ में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

इस समारोह में कोलकाता के जाने-माने उद्योगपति प्रह्लाद राय अग्रवाल (रूपा), राधे श्याम गोयनका (इमामी ग्रुप), सज्जन भजनका (सेंचुरी प्लाईवुड) कमल कुमार दुगड़ दुगड़ (बीएमडी), रवींद्र चमड़िया, आदर्श कानोड़िया (बंगाल टी), बिरेंद्र सिंघवी, सांवरमल्ल जैन, गिरधारी लाल सुल्तानिया, राजेंद्र भूतोड़िया, भीखम चंद फूगलिया, विश्वनाथ चौधरी, मुकेश बंसल, रणजीत सिंह कोठारी, बाबूलाल विकास बोथरा, प्रदीप सिंघी, ओम जालान, आर.जी साहा, भंवरलाल बैद आदि कई संस्थाओं एवं कारपोरेट जगत के सम्मानित व्यक्ति उपस्थित थे। सेवा सदन के अध्यक्ष विजय सिंह चोरड़िया एवं मंत्री रणजीत सिंह सिंघी एवं आमंत्रित सभी अतिथियों ने सेवा कार्य से जुड़े सभी व्यक्तियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस पूरे आयोजन का संयोजन संस्था के कोषाध्यक्ष मनोज मनहोत, उपाध्यक्ष हमीरमल सेठिया, संयुक्त सचिव संजय सेठिया एवं अमित जैन, संयुक्त कोषाध्यक्ष जतनलाल बड़ड़िया एवं यूथ विंग के सभी कार्यकत्ताओं ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. तारा दुगड़ ने किया। स्वागत समिति अध्यक्ष विनोद कुमार बागड़ोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि महावीर सेवा सदन का यह सेवामूलक कार्य आगे भी ऐसे ही जारी रहेगा।

श्री जैन विद्यालय हावड़ा में वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मेधावी छात्रों का सम्मान

हावड़ा : श्री जैन विद्यालय हावड़ा में वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने के लिए पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 2025 विद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित जैन दर्शन विशेषज्ञ डॉ. धर्मचंद जैन और श्री जैन विद्यालय के संस्थापक सरदारमलजी कांकरिया उप-स्थित रहे। उन्होंने अपने करकमलों से विभिन्न कक्षाओं में रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी मेहनत और समर्पण से खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करना होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रशासन का भी महत्वपूर्ण योगदान है। यह कार्यक्रम विद्यालय की प्रिंसिपल इंदु जोसेफ चौधरी के मार्गदर्शन में सफलता-पूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने आगत सभी अतिथियों और अभिभावकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक-प्रतिनिधि संतोष कुमार तिवारी, संजय सिंह, सतीश सिंह, सपना चक्रवर्ती, दीपशिखा तिवारी, आराधना सिंह, अवनीश श्रीवास्तव, सोमेन चक्रवर्ती और विद्यालय के प्रीफेक्ट्स का योगदान सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन शिक्षक-प्रतिनिधि संतोष कुमार तिवारी ने किया।

हावड़ा में शुभेंदु अधिकारी और पुलिस के बीच झड़प, भाजपा नेता को लगी चोट

❑ शुभेंदु का आरोप- पुलिस ने मुझे धक्का देकर किया 'लहूलुहान'

❑ भूस्खलन प्रभावित भगार इलाके पहुंचे मंत्री फिरहाद हकीम ने 3 दिनों के भीतर समस्या के समाधान का दिया आश्वासन

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी सोमवार को हावड़ा के बेलगछिया इलाके में भूस्खलन प्रभावित लोगों से मिलने गए थे। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को रास्ते में रोकने की कोशिश की। जहां दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और झड़प में भाजपा नेता का बायां हाथ चोटिल हो गया। शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस अधिकारियों पर उनके साथ हाथापाई करने और उन्हें चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने मुझे धक्का देकर 'लहूलुहान' कर दिया। इस घटना के बाद शुभेंदु ने विधानसभा पहुंचकर प्राथमिक उपचार कराया।

दरअसल, हाल ही में हावड़ा शहर के बेलगछिया इलाके में स्थित कचरा डंपिंग ग्राउंड में विस्फोट होने से सड़क धंसने से पानी की पाइपलाइन फट गई, जिससे कई घरों में दरारें आ गईं।

पाइपलाइन फटने से हावड़ा शहर के कई इलाकों में पिछले कई दिनों से जलापूर्ति सेवा भी पूरी तरह बाधित है जिससे हाहाकार मचा है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, 'वह प्रभावित परिवारों से मिलने गए थे, लेकिन ममता पुलिस ने मेरा रास्ता रोकने की कोशिश की और मेरे साथ झड़प भी की। उन्होंने पुलिस अधिकारी गुलाम मुर्तजा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह आक्रामक हो गए थे, जिसकी वजह से मैं घायल हो गया। मेरे हाथ में चोट लग गई। एक भाजपा कार्यकर्ता पानी में गिर गया।

❑ आप मुझे धमका नहीं सकते : शुभेंदु अधिकारी

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हावड़ा में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। बेलगछिया इलाके में भगाड़ के पास भूस्खलन के पास रहने वाले 70 से ज्यादा परिवार प्रभावित हैं। जब मैं पीड़ित परिवारों से मिलने गया तो पुलिस ने मुझे पीड़ितों से मिलने से रोकने के लिए मौके पर ही हाथा-पाई की। उन्होंने कहा कि ममता पुलिस को यह समझना चाहिए कि मैंने कम्युनिस्ट शासन से लड़ाई लड़ी है। उनके बुरे साम्राज्य को उखाड़ फेंका है। एक समय ऐसा भी था जब मैं जिस रास्ते से यात्रा करने वाला था, वहां बम पाए गए थे। आप मुझे धमका नहीं सकते या मुझे रोक नहीं सकते। मैं पहले भी ऐसा कर चुका हूं और फिर से और भी जोश के साथ ऐसा करूंगा। बेलगछिया इलाके में हाल ही में आई आपदा के बाद कई दिनों तक लोगों को पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। इधर, सोमवार को भूस्खलन प्रभावित भगार इलाके में राज्य के शहरी विकास व नगरपालिका मंत्री फिरहाद हकीम भी पहुंचे और 3 दिनों के भीतर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

हुगली में फिर लगे हिन्दू हिन्दू भाई भाई के पोस्टर

हुगली, समाज्ञा : भले ही 2026 के विधानसभा चुनावों में अभी वक्त है लेकिन जिले में राजनीतिक हलचल तक होते जा है जहां प्रदेश की मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों की अहमियत को देखते हुए इफ्तार पार्टी में शामिल होकर उन्हें रिझाने का प्रयास कर रही है। वहीं भाजपा ने इस बार विधानसभा चुनावों में हिन्दू कार्ड का लक्ष्य रहा है। चुंचुड़ा के बाद अब जिले में भाजपा की तरफ से जगह-जगह हिन्दू हिन्दू भाई भाई के पोस्टर लगाए गए हैं जिससे गहमागहमी तेज होते जा रही है। धनियाखाली में भाजपा मंडल 4 के अध्यक्ष अमर मुरमु के नेतृत्व में भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर दोपहर करीब 12 बजे बेलमुड़ी क्षेत्र में कई स्थानों पर बैनर लगाए। भाजपा नेता सुरेश साव ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री 70 प्रतिशत हिन्दू वोटरों से संतुष्ट नहीं उन्हें सर्फ 30 प्रतिशत मुस्लिम वोटों पर अटूट विश्वास है कि वे उन वोटरों के जरिये चुनाव जीतेगी। इसलिए भाजपा ने हिन्दू हिन्दू भाई भाई का नारा दिया है। क्योंकि उन्हें 70 प्रतिशत हिन्दू वोटरों पर विश्वास है कि इनके सहारे बंगाल में सत्ता हासिल करके एक बार फिर बंगाल को सोनार बांग्ला बनाएगी। वहीं तृणमूल कांग्रेस की तरफ से संतोष सिंह ने कहा कि विकसित भारत बनाने वाली भाजपा का संकल्प अब मजबूर भारत हो गया। 2014 में पीएम मोदी ने देश की जनता से अच्छे दिन पेट्रोल डीजल गैस की कीमतों को कमाने और भरपूर रोजगार का वादा किया था। 60 का पेट्रोल आज 106 रुपए हो गया। लोगों के पास रोजगार नहीं। बढ़ती महंगाई निजीकरण ने कमर तोड़ दी है। शिक्षा, हेल्थ, नौकरी व्यापार सब ठप्प है। लोग त्रस्त है और भाजपा बंटवारे की राजनीति करती है।

जिला अस्पतालों में एंटी रैबिज वैक्सीन की कमी, मरीजों को हो रही है परेशानी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य भर के जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में एंटी रैबिज वैक्सीन की भारी कमी हो गई है, जिससे मरीजों को वैक्सीनेशन के लिए गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को आपातकालीन आधार पर वैक्सीन खरीदने की अनुमति दी है। जानकारी के अनुसार, एक महीने से अधिक समय से जिला अस्पतालों में वैक्सीन की कमी की समस्या उठाई जा रही थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अब जाकर आपातकालीन आधार पर वैक्सीन खरीदने की अनुमति दी गई है। कुत्तों, बिल्लियों के साथ-साथ गांवों में सियार और जंगली सूअर के काटने से भी रैबिज हो सकता है, ऐसे में डॉक्टर सुरक्षा के तौर पर एंटी रैबिज वैक्सीन की चार डोज देते हैं। लेकिन वैक्सीन की कमी के कारण मरीजों को एक या दो डोज ही मिल पा रही है। उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना के अस्पतालों ने वैक्सीन का स्टॉक खत्म होने की सूचना दी है, जिसके कारण मरीज वैक्सीनेशन के लिए कोलकाता के बेलाघाटा आईडी अस्पताल में आ रहे हैं। बेलाघाटा आईडी अस्पताल में सोमवार सुबह से वैक्सीनेशन के लिए लंबी लाइनें देखी गई और अस्पताल के कर्मचारियों ने इस स्थिति को लेकर चिंता जताई है कि क्या राज्य भर की मांग को पूरा करते हुए कोई संकट नहीं पैदा होगा।

विधायक बोले, मैं अयोग्य हूं; सोशल मीडिया पर किया पोस्ट, बीजेपी का तंज : जब स्वीकार कर रहे हैं तो इस्तीफा दे दें

हुगली, समाज्ञा : चुंचुड़ा-मोगरा ब्लॉक के सप्तग्राम में एक सभा को संबोधन के दौरान चुंचुड़ा के विधायक असित मजूमदार ने खुद को अयोग्य बताया। पार्टी कार्यकर्ताओं से उन्होंने कहा, 'मेरी क्या योग्यता है? मैं पहले नौकरी करता था, तब मुझे मेरी योग्यता के अनुसार 40-50 हजार रुपये वेतन मिलता था। लेकिन अब मैं विधायक हूं, तो मुझे डेढ़ लाख रुपये से ज्यादा वेतन मिलता है। साल में 5 लाख रुपये हवाई यात्रा के लिए मिलते हैं। राजधानी एक्सप्रेस में दो लोगों के साथ मुफ्त यात्रा कर सकता हूं। मेडिकल बिल अनलिमिटेड मिलता है। क्या यह मेरी कोई योग्यता है? तृणमूल कांग्रेस की वजह से मैं एमएलए बना हूं। विधायक ने आगे कहा, 'एक पंचायत सदस्य, पंचायत समिति के सदस्य और जिला परिषद के कर्माध्यक्ष को वेतन मिलता है, लेकिन साधारण कार्यकर्ताओं को कुछ नहीं मिलता। जबकि, देखा जा रहा है कि वोटर लिस्ट स्क्रूटिनी में कार्यकर्ता अच्छा काम कर रहे हैं, जनप्रतिनिधि लापरवाही कर रहे हैं। वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़े जा रहे हैं। अगर हम इन्हें पकड़ नहीं सके और स्क्रूटिनी के नाम पर अलमारी या तकिए के नीचे छिपा दिया, तो किसी को पता भी नहीं चलेगा।' विधायक ने कार्यकर्ताओं से बीजेपी से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा, 'अगर हम गुप्त रूप से बीजेपी से संपर्क रखते हैं, तो यह पार्टी के साथ विश्वासघात होगा। हमें ऐसे गद्दारों को खोज निकालना होगा।

❑ बीजेपी का तंज : जब अयोग्य हैं तो इस्तीफा दें

विधायक के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हुगली सांगठनिक जिला बीजेपी के महासचिव सुरेश साव ने कहा, 'विधायक खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी कोई योग्यता नहीं है। दीदी की दया से वे जीविका चला रही हैं। जब वे अपनी अयोग्यता को स्वीकार कर चुके हैं, तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। चुंचुड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को भी यह समझना चाहिए कि उन्होंने अयोग्य विधायक चुना है।'

मंत्री फिरहाद हकीम ने बेलगछिया कचरा डंपिंग साइट पर किए कई सुधारात्मक उपायों पर चर्चा

हावड़ा, समाज्ञा : बेलगछिया कचरा डंपिंग साइट को लेकर मंत्री फिरहाद हकीम ने कई सुधारात्मक योजनाओं का ऐलान किया है। इस सिलसिले में सोमवार को वह खुद बेलगछिया कचरा डंपिंग साइट पर पहुंचे और वहां के साइट ऑफिस में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में जिला प्रशासक पी दीपापप्रिया, पुलिस आयुक्त प्रवीण त्रिपाठी, विधायक कल्याण घोष, गौतम चौधरी, हावड़ा के मुख्य नगर प्रशासनिक चेयरमैन डॉ. सुजॉय चक्रवर्ती समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। बैठक के बाद मंत्री फिरहाद हकीम ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि बेलगछिया कचरा डंपिंग साइट पर जमा कचरे को जल्दी ही साफ किया जाएगा। इसके लिए रोजाना 80

गाड़ियों में कचरा अन्य स्थानों पर भेजा जाएगा। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि अब इस साइट पर कोई नया कचरा नहीं डाला जाएगा। इसके साथ ही नालियों को फिर से कंक्रीट से बनाने की योजना भी बनाई गई है।

मंत्री ने यह भी बताया कि प्रभावित इलाके के परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा और उन्हें नए घर बनाकर दिए जाएंगे। इस प्रक्रिया का सर्वेक्षण जारी है। साथ ही, मंत्री ने यह भी कहा कि इस साइट पर नया कचरा डंपिंग स्थल बनने से बचने के लिए इसे साफ किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा थाना इलाके से संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवती का शव बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि युवती ने आत्महत्या की है। इस खबर के फैलते ही इलाके में सनसनी मचा दी है। मृत युवती का नाम मनीषा गुप्ता है, जो अपने परिवार के साथ किराए के घर में रहती थी। मनीषा के पिता रंजीत गुप्ता घोड़ाडांगा में एक किराने की दुकान चलाते हैं। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को मनीषा का शव उसके कमरे से बरामद हुआ। खबर मिलते ही हावड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आत्महत्या करने का कारण जानने की कोशिश कर रही है।

आत्महत्या को रोकने में हेल्पलाइन की भूमिका है महत्वपूर्ण

❑ हेल्पलाइन का प्रभावी प्रचार है आवश्यक

कोलकाता, समाज्ञा : मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि आत्महत्या के दो प्रकार होते हैं। एक प्रकार में अचानक घटनाओं के कारण आत्महत्या के विचार, जबकि दूसरे प्रकार में कई दिनों तक योजना बनाई जाती है और व्यक्ति को लगता है कि जीवन में कोई आशा नहीं है। ऐसे में आत्महत्या के विचार समय-समय पर आते हैं और व्यक्ति गहरे मानसिक तनाव का शिकार होता है। लेखिका सोमजा दास ने एक बार अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह दूसरी बार मां बनी थीं और दो बच्चों की देखभाल करते हुए मानसिक रूप से थक गई थीं, तो उन्होंने आत्महत्या के बारे में सोचा। लेकिन उन्होंने फेसबुक पर एक मां के ग्रुप में अपनी भावनाएं व्यक्त की, जिसके बाद ग्रुप के सदस्योंने उन्हें सांत्वना दी और उनकी मदद की। यह अनुभव उनके लिए आत्महत्या के विचारों को दूर करने में मददगार साबित हुआ। मनोचिकित्सक अनिरुद्ध देव कहते हैं कि आत्महत्या के विचार को रोकने में मदद के लिए हेल्पलाइन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वे बताते हैं कि यदि किसी को इस समय सही मार्गदर्शन और सहारा मिलता है, तो आत्महत्या के विचारों को बदलने का अवसर बढ़ सकता है। हालांकि, कई हेल्पलाइन 24 घंटे उपलब्ध नहीं हैं और कुछ में क्षेत्रीय भाषाओं में मदद नहीं मिलती। सरकारी टेली-मानस सेवा 24/7 उपलब्ध है, लेकिन हेल्पलाइन का प्रचार और जागरूकता की कमी महसूस की जाती है। मनोवैज्ञानिक प्रशांत राय का मानना है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर हेल्पलाइन नंबरों और सकारात्मक संदेशों का प्रचार किया जाए, तो लोगों में जागरूकता बढ़ सकती है। आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए हेल्पलाइन का प्रभावी प्रचार और अधिक सरकारी समर्थन आवश्यक है।

सियालदह स्टेशन पर मेट्रो नेटवर्क को जोड़ने वाला एक नया सबवे खुलने के लिए तैयार

❑ पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने नए सबवे का लिया जायजा

कोलकाता : यात्रियों की सुविधा और निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए सियालदह रेल मंडल एक और सबवे संचालित करने के लिए तैयार है। नया सबवे सियालदह स्टेशन को सियालदह कोर्ट, बीआर सिंह अस्पताल क्षेत्र और मेट्रो रेलवे नेटवर्क से भूमिगत मार्ग से जोड़ेगा, जिससे यात्री सुरक्षित और कुशलता-पूर्वक यात्रा कर सकेंगे। सियालदह मंडल द्वारा सोमवार को एक बयान में बताया गया कि जल्द ही इस नवनिर्मित सबवे को यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण सबवे के खुलने से यात्रियों को सियालदह के भीड़भाड़ वाले इलाके से पैदल चलने की ज़रूरत नहीं होगी, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो जाएगा। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) मिलिंद देउस्कर ने हाल ही में इस नए सबवे की

स्थिति का जायजा लिया और सियालदह मंडल के अधिकारियों को आम लोगों के लिए इसे शीघ्र खोलने के लिए शेष कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस सबवे के खुलने से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और यात्रियों को हावड़ा और सियालदह को जोड़ने वाली कोलकाता मेट्रो की ग्रीन लाइन तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। देउस्कर ने सियालदह स्टेशन और सर्कुलेटिंग एरिया में चल रही बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी सराहना की।

इस सबवे के खुलने से रेल उपयोगकर्ता सियालदह स्टेशन और मेट्रो रेल के प्लेटफार्म तक कम समय में बिना तनाव के साथ पहुंच सकेंगे। यह अत्याधुनिक सबवे रैंप जैसी पहुंच सुविधाओं से युक्त है, जिससे दिवलांग यात्रियों के लिए स्टेशन पर नेविगेट करना आसान होगा। इस नए सबवे को वेंटिलेशन सिस्टम के साथ डिज़ाइन किया गया है, जो हवा की गुणवत्ता में

इमली के पैकेट के अंदर मिला कंडोम!

❑ इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुई कोलकाता में घटी घटना

कोलकाता : कोलकाता की एक युवती कस्तूरी चटर्जी ने दावा किया कि उसकी मां ने चटनी बनाने के लिए महानगर के नेताजी भवन मेट्रो स्टेशन के पास एक दुकान से इमली खरीदी थी, जिसमें एक कंडोम चिपका हुआ मिला। युवती ने इस घटना को लेकर इंटरनेट मीडिया पर अपना गहरा रोष व्यक्त किया है। कस्तूरी ने इमली के अंदर रखे कंडोम की तस्वीर भी पोस्ट की है। यह पोस्ट इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गई है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने इमली खरीदी है, उन्हें यह भी नहीं पता कि वे कितनी गंदी और जहरीली चीज खा रहे हैं। कुछ यूजरों ने युवती को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। हालांकि युवती ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज कराने जैसा कदम नहीं उठाया है। उसने कहा कि एक महिला इमली बेचती है। वह अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए सब्जियां बेचती हैं। इसमें गलती आपूर्तिकर्ताओं की हो सकती है जिनसे उक्त महिला ने सामान खरीदा है। इसलिए मां भावुक है और वह इस मामले में पुलिस को शामिल नहीं करना चाहती। युवती ने कहा कि उसकी मां उस आपूर्तिकर्ता के पास गई, जिससे उक्त महिला विक्रेता ने इमली खरीदी थी। आपूर्तिकर्ता ने बताया कि सियालदह बाजार की स्थिति बहुत खराब है। सब्जियों के बीच मरी हुई छिपकलियां पड़ी रहती हैं। आपूर्तिकर्ता ने कहा है कि दुकानदारों को सामान बेचने से पहले उसका सावधानीपूर्वक निरीक्षण करना चाहिए।

'गुरुदेव को गले लगाने का सपना देखता था' - मैदान में घुसे ऋतुपर्ण की माँ की अपील, बेटा घर लौटे

कोलकाता : शनिवार को जब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में आईपीएल का मुकाबला चल रहा था और विराट कोहली क्रीज पर थे, तभी अचानक सुरक्षा घेरा तोड़कर एक युवक मैदान में घुस गया। यह युवक था बर्धमान का ऋतुपर्ण पाखिरा, जिसे रविवार को मैदान में घुसने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ऋतुपर्ण कोलकाता-बैंगलोर मैच के दौरान सुरक्षा को चकमा देकर मैदान में घुसा और विराट कोहली के पैरों में साष्टांग प्रणाम कर दिया। यह सब उसका सपना था, जो उसने अपनी मां से भी साझा किया था। वह हमेशा कहता था, अगर एक बार विराट को गले लगा सका, तो मेरा जीवन सफल हो जाएगा। ऋतुपर्ण की माँ काकली पाखिरा अपने बेटे की रिहाई की गुहार लगा रही हैं। उनका कहना है कि उसका कोई गलत इरादा नहीं था। विराट उसके लिए भगवान जैसे हैं, गुरुदेव हैं। वह बस भावनाओं में बहकर यह गलती कर बैठा। ऋतुपर्ण हाल ही में हायर सेकेंडरी परीक्षा देकर निकला था और अब तक कॉलेज में एडमिशन भी नहीं लिया था। लेकिन इस घटना के बाद उसे क्रिमिनल ट्रेसपासिंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और उसे पुलिस की प्रिज़न वैन में ले जाया गया। गाँव में भी इस घटना की चर्चा जोरों पर है। सभी गाँववाले एक ही अपील कर रहे हैं - उसे माफ कर दिया जाए। वहीं, इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कई लोग कह रहे हैं कि अगर सुरक्षा इतनी सख्त होती, तो कोई दर्शक मैदान तक पहुँच ही नहीं सकता था। अब देखना होगा कि ऋतुपर्ण को माफी मिलती है या फिर उसे इस गलती की सज़ा भुगतनी होगी।

कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पी.एम. प्रसाद ने एसईसीएल का किया दौरा

कोलकाता, समाज्ञा : कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पी.एम. प्रसाद ने दक्षिण-पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कोरबा कोलफील्ड्स और केंद्रीय भारत कोलफील्ड्स में चल रहे प्रमुख खनन कार्यों का निरीक्षण किया। पहले दिन, श्री प्रसाद ने कोरबा कोलफील्ड्स में स्थित दिपका और कुसमुंडा मेगा खदानों का दौरा किया। उन्होंने आउटसोर्सिंग, विभागीय पैच, फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाओं और रेलवे साइडिंग्स जैसे महत्वपूर्ण संचालन स्थलों का भी निरीक्षण किया। उनका मुख्य उद्देश्य उत्पादन क्षमता और कोल इंडिया के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के समर्थन हेतु बुनियादी ढांचे की तत्परता का मूल्यांकन करना था। वहीं, दूसरे दिन, उन्होंने बैकुंठपुर क्षेत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने बैकुंठपुर, बिश्रामपुर और भटगांव क्षेत्रों के क्षेत्रीय महाप्रबंधकों से बातचीत की और चर्चामाइन आरओ का निरीक्षण किया। इसके अलावा, हसदेव क्षेत्र में अनन्यवाटिका इको-रिस्टोरेशन पार्क और अन्य प्रमुख खनन स्थलों का दौरा किया। इस दौरे में श्री प्रसाद के साथ कोल इंडिया और एसईसीएल के वरिष्ठ प्रबंधन भी मौजूद रहे।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने ऑपरेशन सेवा के तहत उल्लेखनीय उपलब्धियां की हासिल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए कई महत्व-पूर्ण पहलें शुरू की हैं। इन पहलों में से एक ऑपरेशन सेवा है, जिसे वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बीमार या घायल व्यक्तियों, बच्चों और अन्य जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। मार्च 2025 के महीने में 24 मार्च तक, आरपीएफ ने विभिन्न मंडलों में कुल 60 जरूरतमंद व्यक्तियों की सफलतापूर्वक मदद की। जिसमें हावड़ा डिवीजन में 32 व्यक्तियों, सियालदह डिवीजन में 20 व्यक्तियों, आसनसोल डिवीजन में 04 व्यक्तियों और मालदह डिवीजन में 04 व्यक्तियों को सहायता प्रदान की गई। आरपीएफ द्वारा किया गया यह सराहनीय प्रयास उनके यात्री कल्याण

और सुरक्षा के प्रति निरंतर समर्पण को प्रदर्शित करता है। पूर्व रेलवे सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीआरएसई ने आठ बहुद्देशीय निर्यात पोतों में से अंतिम दो पोतों के लिए भी जर्मनी के साथ किया अनुबंध

❑ वैश्विक जहाज निर्माण में कोलकाता स्थित युद्धपोत निर्माता जीआरएसई की बड़ी छलांग

❑ जीआरएसई शिपयार्ड जर्मनी में निर्यात के लिए कुल आठ जहाजों का करेगा निर्माण

कोलकाता : कोलकाता स्थित रक्षा पीएसयू गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने 'मेक इन इंडिया, मेक फार वर्ल्ड' की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए और अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करते हुए सोमवार को जर्मनी के हैम्बर्ग में कार्स्टन रेहडर शिफ्समैकलर एंड रेडराई के साथ अंतिम दो पोतों- 7वें और 8वें बहुद्देशीय पोत (एमपीवी) के निर्माण और आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह अनुबंध दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षरित 'विकल्प समझौते' के अनुरूप है, जिसमें जीआरएसई से चार अतिरिक्त एमपीवी की खरीद का प्रावधान था। एक अधिकारी ने बताया कि जीआरएसई शिपयार्ड इस श्रेणी के कुल आठ जहाजों का निर्माण करेगा, जिसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 108 मिलियन अमेरिकी डालर होगी। बाकी छह पोतों के लिए जर्मनी के

कार्स्टन रेहडर के साथ जीआरएसई का पहले ही अनुबंध पर हस्ताक्षर हो चुका है। इस श्रेणी के अंतिम दो जहाजों के लिए यह अनुबंध हुआ है। 7वें और 8वें एमपीवी के लिए यह समझौता जीआरएसई के कमांडर प्रसेंजित राय, आईएन (सेवानिवृत्त), उप महाप्रबंधक (वाणिज्यिक जहाज निर्माण) और कार्स्टन रेहडर के प्रबंध निदेशक थॉमस रेहडर के बीच हुआ। इस अवसर पर जीआरएसई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कमोडोर पीआर हरि (भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त), कार्स्टन रेहडर के प्रबंध निदेशक जोनास माइनहार्ट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।जीआरएसई द्वारा एक बयान में बताया गया कि प्रत्येक एमपीवी की लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर होगी, जिसकी अधिकतम ड्राफ्ट 6.75 मीटर होगी। यह जहाज 7,500 मीट्रिक टन तक कार्गो ले जाने में सक्षम होगा। प्रत्येक पोत में बल्क, जनरल और प्रोजेक्ट कार्गो के लिए एकल कार्गो होल्ड होगा, और कंटेनरों को हैच कवर पर ले जाया जाएगा। इन जहाजों को विशेष रूप से डेक पर बड़े पवन टरबाइन ब्लेड ले जाने के लिए डिजाइन किया

इंटरव्यू देने जा रही युवती हादसे की शिकार, मां फ्लाईओवर पर बाइक से गिरी

कोलकाता : नौकरी के इंटरव्यू के लिए जाते समय एक युवती भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। सोमवार सुबह डोमजुड़ की रहने वाली यह युवती सॉल्टलेक के एक आईटी कंपनी में इंटरव्यू देने जा रही थी। जल्दी पहुंचने के लिए उसने एक ऐप-बेस्ड बाइक बुक की। लेकिन जब बाइक मां फ्लाईओवर पर पहुंची, तो अचानक संतुलन खो बैठी और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। युवती हेलमेट समेत बाइक से उछलकर दूर जा गिरी। उसे गंभीर चोटें आईं और तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, बाइक चालक को एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मां फ्लाईओवर पर हादसे कोई नई बात नहीं हैं। यहां बार-बार दुर्घटनाएं और जानमाल की हानि होती रहती है। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद तेज रफ्तार के कारण हादसे होते हैं। सोमवार को हुए इस हादसे का कारण भी तेज रफ्तार थी या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, चश्मदीदों का कहना है कि बाइक की आमने-सामने एक कार से टक्कर हुई, जिससे संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर से जा टकराई। इस टक्कर के बाद पीछे बैठी युवती का हेलमेट खुल गया और वह उछलकर गिर पड़ी। हादसे में बाइक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रगति मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सबसे पहले युवती को पास के एक प्रसिद्ध निजी अस्प-ताल ले जाया गया और उसके परिवार को डोमजुड़ में इसकी जानकारी दी गई। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। हादसे की पूरी जांच के लिए पुलिस अब मां फ्लाईओवर के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चश्मदीदों के बयान दर्ज कर रही है। इस घटना के कारण सोमवार सुबह फ्लाईओवर पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

शिपरॉकेट ने कोलकाता में की सेम डे डिलीवरी की शुरुआत

कोलकाता : भारत के अग्रणी ईकॉमर्स सक्षमता प्लेटफॉर्म शिपरॉकेट ने कोलकाता में सेम डे डिलीवरी (एसडीडी) की शुरुआत की है, जो भारत के हर विक्रेता को एंटरप्राइज़-ग्रेड, तेज़ डिलीवरी प्रदान करता है। परंपरागत रूप से, तेज़ डिलीवरी केवल प्रमुख ईकॉमर्स ब्रांडों के लिए उपलब्ध एक विलासिता रही है। शिपरॉकेट हाई-स्पीड डिलीवरी को लोकतांत्रिक बनाकर इसे बदल रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि एमएसएमई भी तेज़ डिलीवरी दे सकें और प्रतिस्पर्धी बने रहें। यह सेवा पहले से ही दिल्ली एन-सीआर, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में लाइव है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए शिपरॉकेट के एमडी और सीईओ साहिल गोयल ने कहा, हम शिपरॉकेट में पूरे भारत में व्यापारियों के लिए भरोसेमंद विकास भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सेम डे डिलीवरी की शुरुआत करके, हम भारत के एमएसएमई को उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशक्त बना रहे हैं, उन्हें ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और बार-बार व्यापार करने के लिए उपकरण प्रदान कर रहे हैं।

अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज का होली मिलन समारोह संपन्न

❑ विभिन्न इकाइयों के सदस्यों ने की उत्साहपूर्ण भागीदारी

कोलकाता : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज एवं अखिल भारतीय क्षत्रीय सेवा ट्रस्ट की तरफ से महानगर के सत्संग भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारियों के साथ ही विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समारोह में चार चांद लगा दिए। प्रतिभा सिंह के गीतों पर लोग झूम उठे। रवि प्रताप सिंह ने स्वागत गीत गया। श्रीकांत दुबे ने भी अपने गीतों से लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर समाज के मुख्य संरक्षक जयप्रकाश सिंह ने सभी सदस्यों की कुशलता की कामना की। उन्होंने समाज के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए इसके और

विस्तार की जरूरत बताई। समाज के महासचिव शंकर बक्श सिंह ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए मंच का सफल संचालन किया। उन्होंने गंगासागर में निर्माणाधीन समाज की धर्मशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस नेक कार्य में सभी से तन-मन-धन से सहयोग की अपील की। समाज के अध्यक्ष शेखर सिंह व अखिल भारतीय क्षत्रिय सेवा ट्रस्ट के महासचिव कृष्णा सिंह, कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश ने सदस्यों को सेवा कार्यों में और सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया।

मौके पर समाजसेवी लक्ष्मीकांत तिवारी, शैलेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अनिल राय, पुरुषोत्तम तिवारी, पूर्व विधायक लगनदेव सिंह, विनय दुबे, विजय सिंह, एसीपी राजकुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह आदि बतौर अतिथि उपस्थित थे।

समारोह में ट्रस्टी चंद्रिका बक्श सिंह, ट्रस्टी राकेश सिंह, सारनाथ सिंह, ओम प्रकाश सिंह, लक्ष्मी नारायण सिंह, उदयभान सिंह, आरपी सिंह, प्रभात सिंह, संजय उपाध्याय, अरुण मल्लावत, कैप्टन सीपी सिंह, शिव शंकर सिंह, रणविजय सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह, विमल सिंह, अशोक सिंह, अजय सिंह, अजीत सिंह, प्रभाकर सिंह आनंद मोहन सिंह, विनोद सिंह, आनंद नारायण सिंह, पप्पू सिंह, रामाशंकर सिंह, प्रेम प्रकाश सिंह, जितेंद्र सिंह, शिव शंकर सिंह, गुड्डन सिंह, विश्वरूप चक्रवर्ती, देवेंद्र सिंह, शंकर सिंह, सुधीर सिंह, सत्येंद्र सिंह, शिव कुमार सिंह, विनोद सिंह, प्रभुनाथ सिंह, जंग बहादुर सिंह, ब्रम्हा सिंह, केके सिंह, अक्षयवर सिंह, अरुण कुमार सिंह, रमेश सिंह, संतोष सिंह, रवि सिंह, धीरज सिंह, अनिकेत सिंह, सोनू सिंह, राजेश सिंह, संजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, संतोष सिंह, अनिल सिंह, संजय सिंह, दामोदर सिंह, कमलेश सिंह, सत्येंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, संतोष कुमार सिंह, कौशिक सिंह राय, सयांतन सिंहराय, गोराचांद सिंह राय, अरुण सिंह, ओमप्रकाश सिंह, यशपाल सिंह, विजय सिंह, अजय सिंह, सुनील सिंह, सहित राघवेंद्र सिंह, अभिनय सिंह, सीटू सिंह, अखिलेश सिंह, हेमंत कुमार सिंह, शिवजी सिंह सहित सभी अचलों के सदस्य मौजूद रहे।

उक्त समारोह में कोलकाता कन्य कुब्ज सभा, प्रगतिशील सुल्तानपुर समाज, कालिका देवी सेवा समिति, बैसवारा समाज कोलकाता, अवध समाज, आजमगढ़ सेवा समिति के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

न्यूज इन ब्रीफ

पटना में झोपड़ी में आग लगने से दो भाइयों की झुलसकर मौत

पटना : पटना के जनकपुर इलाके में एक झोपड़ी में आग लगने से 8 और 4 साल के दो भाइयों की कथित तौर पर झुलसकर मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान सुधीर नट के पुत्रों सनी कुमार (8) और आदित्य कुमार (4) के रूप में हुई है। यह घटना रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात हुई। गौरीचक थाना के प्रभारी अरुण कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, झोपड़ी में आग उस समय लगी जब परिवार के सदस्य उसके भीतर सो रहे थे। आग तेजी से बगल की तीन अन्य झोपड़ियों में भी फैल गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों को इस घटना की सूचना दी। कुमार ने कहा कि जब तक आग पर काबू पाया गया, सुधीर नट के दोनों पुत्र की मौत हो चुकी थी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संभल हिंसा मामले में पुलिस सपा सांसद को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करेगी: एसपी

संभल (उप्र) : संभल में पिछले वर्ष नवंबर माह में हुई हिंसा मामले में पुलिस समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया उर रहमान वर्क को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच सोमवार को संभल पुलिस द्वारा संभल कोतवाली ओर नखासा थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। संभल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने पत्रकारों को बताया कि थाना कोतवाली सम्भल में 24 नवंबर की हिंसा में जो अभियोग पंजीकृत किया गया था उसी की विवेचना की कड़ी में विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के जो दिशानिर्देश हैं उसी के अनुक्रम में विवेचक द्वारा सांसद को नोटिस दी जाएगी और उनसे विवेचना में शामिल होने का अनुरोध किया जाएगा।

पहले उप्र को 'बीमारू' राज्य माना जाता था, पर अब यह अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बनकर उभरा है:योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आठ वर्ष पहले उप्र को एक 'बीमारू' राज्य और देश के विकास में अवरोधक माना जाता था, लेकिन अब यही उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जिस उप्र को आठ वर्ष पहले केवल एक श्रम शक्ति के रूप में लोग जानते थे वह अब अर्थ शक्ति के रूप में उभरा है। योगी यहां लोक भवन (मुख्यमंत्री कार्यालय) में अपनी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर अपने दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत अन्य सहयोगियों के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कुछ वर्ष पहले चार राज्यों (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश) के लिए 'बीमारू' शब्द का इस्तेमाल किया गया था जो कथित तौर पर आर्थिक विकास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य मामलों में काफी पिछड़े थे। योगी आदित्यनाथ ने 25 मार्च, 2022 को दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनके नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ था। इसके पहले मार्च 2017 में योगी पहली बार उप्र के मुख्यमंत्री बने थे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'आठ वर्ष पहले जो उप्र 'बीमारू' राज्य माना जाता था, देश के विकास में अवरोधक माना जाता था, जिस उप्र को आठ वर्ष पहले केवल एक श्रम शक्ति के रूप में लोग जानते थे, आज वही उप्र आठ वर्ष बाद देश की अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन बनकर उभरा है।' उन्होंने कहा कि उप्र आठ वर्ष की इस यात्रा के दौरान देश के अंदर अर्थ पुंज और अर्थ शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि आज उप्र हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व में सेवा, सुरक्षा और सुशासन प्रदान करने वाली उप्र की 'डबल इंजन' सरकार (केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार) के आज आठ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सभी सहयोगियों की ओर से मैं आप सबका इस विशेष संवाद में हृदय से स्वागत करता हूं।' उन्होंने कहा कि वह प्रदेशवासियों को आठ वर्ष की इस शानदार यात्रा के लिए, जिसमें उप्र की 25 करोड़ जनता जनार्दन का व्यापक समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त हुआ, हृदय से बधाई देते हैं।

पिछली सरकारों ने दंगाइयों को खुली छूट दी, पीएसी की 54 कंपनियों को समाप्त किया: योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राज्य की पिछली सरकारों पर दंगाइयों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जानबूझकर पीएसी की 54 कंपनियों को भंग कर दिया गया था, लेकिन उन्होंने सत्ता में आते ही इन्हें बहाल किया। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के आठ साल पूरे होने के मौके पर मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में पूर्ववर्ती सरकारों पर कानून को जानबूझकर कमजोर करने और दंगाइयों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछली सरकारों ने दंगाइयों का काल माने जाने वाली पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र बल) की 54 कंपनियों को भंग कर दिया था, ताकि वे (दंगाई) खुलेआम दंगा कर सकें, लेकिन हमने सत्ता में आते ही उन सभी कंपनियों को बहाल किया और तीन नयी महिला बटालियन भी बनाईं।

न्यूज अपडेट

मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए

जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की और लोगों की समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनीं तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान लोगों ने राज्य बजट वर्ष 2025-26 में दी गई सौगातों के लिए शर्मा का आभार जताया तथा शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

झांसी में स्कूल बस पलटी, 12 से अधिक बच्चे घायल

झांसी : उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के पूंछ थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक स्कूल बस के पलट जाने से उसमें सवार 12 से अधिक बच्चे घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, घायल बच्चों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पूंछ थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजेश पाल ने बताया कि बच्चों को पूंछ के एक निजी स्कूल ले जा रही बस जब बजाना गांव के पास से गुजर रही थी, तब चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते यह सड़क किनारे पलट गया। पाल के अनुसार, हादसे में 12 से अधिक बच्चे घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पूंछ भेजवाया। पॉल के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल पांच बच्चों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया, जहां तीन बच्चों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

शाही जामा मस्जिद प्रबंध समिति के अध्यक्ष की जमानत याचिका पर सुनवाई 27 मार्च को

संभल (उप्र) : संभल में पिछले साल 24 नवंबर को हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार किये गये शाही जामा मस्जिद प्रबंध समिति के अध्यक्ष जफर अली की जमानत याचिका पर अपर जिला एवं सत्र अदालत में आगामी 27 मार्च को सुनवाई होगी। अली की रविवार को हुई गिरफ्तारी के बाद सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश सैनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अली की जमानत याचिका पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) निर्भय नारायण राय की अदालत में सुनवाई हुई। उन्होंने बताया कि अदालत में अली के अधिवक्ता द्वारा अंतरिम और स्थायी जमानत की याचिका प्रस्तुत की गई। रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की वजह से अदालत से एक सप्ताह का समय मांगा गया ताकि दोनों पक्षों को सुनकर जमानत याचिका का निस्तारण हो सके। इस पर अदालत ने अभियोजन पक्ष से 27 मार्च तक केस डायरी उपलब्ध कराने को कहा। अदालत अब जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 27 मार्च को करेगी।

प्रयागराज में जिस तरह से घरों को ध्वस्त किया गया, उससे हमारी अंतरात्मा को धक्का लगा: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने प्रयागराज में 'मनमाने' तरीके से मकान ढहाने के लिए सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इस कार्रवाई से उनकी अंतरात्मा को धक्का लगा है। न्यायामूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने नोटिस देने के 24 घंटे के भीतर ही मकानों को बुलडोजर से गिराने और पीड़ितों को अपील करने का समय नहीं देने पर भी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा, यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है कि किस तरह से आवासीय परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त किया गया। जिस तरह से पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया, वह चौंकाने वाला है। अदालतें ऐसी प्रक्रिया को बर्दाश्त नहीं कर सकतीं। अगर हम एक मामले में इसे बर्दाश्त करते हैं तो यह जारी रहेगा। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि अदालत याचिकाकर्ताओं को ध्वस्त घरों के पुनर्निर्माण की अनुमति देगी, बशर्ते वे निर्धारित समय के भीतर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करें। अदालत ने कहा कि अगर उनकी अपील खारिज हो जाती है तो याचिकाकर्ताओं को अपने खर्च पर घरों को ध्वस्त करना होगा। याचिकाकर्ताओं को हलफनामा दायर करने के लिए मामले को स्थगित कर दिया गया। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने राज्य की कार्रवाई का बचाव करते हुए नोटिस देने में पर्याप्त 'उचित प्रक्रिया' का पालन करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बड़े पैमाने पर अवैध कब्जों की ओर इशारा करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए अनधिकृत कब्जे को नियंत्रित करना मुश्किल है। शीर्ष अदालत ने पहले प्रयागराज में उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना घरों को ध्वस्त करने पर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि यह कार्रवाई 'चौंकाने वाली और गलत संकेत' देती है।

उत्तर प्रदेश: न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के प्रस्तावित स्थानांतरण के विरोध में वकील करेंगे हड़ताल

प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय प्रस्तावित स्थानांतरण का सोमवार को फिर से विरोध करते हुए मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय किया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। अधिवक्ता न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरण के खिलाफ हैं।' उन्होंने कहा, 'हम इस संबंध में लखनऊ में बार एसोसिएशन को प्रस्ताव भेज रहे हैं।' उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण करने के अपने निर्णय की पुष्टि की। इस लिहाज से यह हड़ताल मायने रखती है। न्यायमूर्ति वर्मा अपने आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में नकदी की कथित बरामदगी को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं और उनसे न्यायिक कार्य वापस ले लिया गया है। इससे पूर्व, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद ने प्रधान न्यायाधीश से सरकार से न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश करने की मांग की। सोमवार को यहां हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की आम सभा में पारित प्रस्तावों की जानकारी मीडिया को देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि बार एसोसिएशन की मांग है कि प्रधान न्यायाधीश को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही के लिए सरकार से तत्काल सिफारिश करनी चाहिए।

हिरासत में लिए गए 800 किसान रिहा, 450 अन्य को भी छोड़ा जाएगा : पंजाब पुलिस

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर कार्रवाई के कुछ दिन बाद सोमवार को कहा कि उसने हिरासत में लिए गए करीब 800 किसानों को रिहा कर दिया है, जबकि राज्य सरकार के निर्देश पर 450 अन्य किसानों को भी छोड़ा जाएगा। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर किसानों के धरने के कारण उद्योगों एवं आम लोगों के प्रभावित होने का हवाला देते हुए प्रदर्शन स्थलों को खाली कराने का फैसला किया था, जिसके बाद सैकड़ों किसानों को हिरासत में लिया गया था। पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने यहां जारी एक बयान में कहा, 'पंजाब सरकार के निर्देश पर लगभग 800 किसानों को पहले ही पुलिस हिरासत से रिहा किया जा चुका है।' उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'महिलाओं, दिव्यांगजनों, बीमारों और 60 साल से अधिक उम्र के किसानों सहित सभी किसानों को तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया है।' गिल ने कहा, 'पंजाब सरकार के निर्देश के अनुसार हम ऐसे किसानों की रिहाई को प्राथमिकता दे रहे हैं और आज लगभग 450 किसानों को रिहा किया जाएगा।'

मेरे पास नए बिहार के लिए 'एक विजन, विशेष मिशन और अटूट जुनून' है : तेजस्वी ने विधानसभा में कहा

पटना : राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि उनके पास नए बिहार के लिए 'एक विजन, एक विशेष मिशन और अटूट जुनून' है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग पर एक 'आउटडेटेड सरकार' चलाने और 'सबसे युवा' आबादी वाले राज्य को निराश करने का आरोप लगाया। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यादव ने इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए सदन में जोरदार भाषण दिया। इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए यादव ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि 2025 में बिहार देश में सबसे युवा आबादी वाला राज्य होने का लाभ उठाएगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे आलोचक मुझे बच्चा कहकर खारिज करने की कोशिश करते हैं, लेकिन लोग जानते हैं कि मैं मन का सच्चा हूँ।' युवा नेता ने कहा कि बिहार को इस 'आउटडेटेड' सरकार से छुटकारा पाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास नया बिहार बनाने के लिए एक विजन, एक विशेष मिशन और अटूट जुनून है। साल 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजग के खिलाफ विपक्षी महागठबंधन के संभावित नेतृत्वकर्ता यादव ने अपने लगभग 40 मिनट के भाषण में नीतीश कुमार नीत सरकार के विकास के दावे पर सवाल उठाया। यादव ने आरोप लगाया कि राज्य अब ''कर्ज में डूबा हुआ है, हर दिन 56 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में दे रहा है' और 'डबल इंजन सरकार' के दावों के बावजूद, केंद्र द्वारा 'सौतेला' व्यवहार किया जा रहा है । उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग पर जातिगत और धार्मिक आधार पर लोगों को लड़ाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, सांप्रदायिक दंगों की घटनाओं के मामले में बिहार दूसरे स्थान पर है। इस मामले में भाजपा शासित एक अन्य राज्य महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। यादव ने भाजपा को चुनौती दी कि वह नीतीश कुमार की अगुवाई वाले जद(यू) के साथ गठबंधन किए बिना आगामी चुनाव 'अकेले' लड़कर 'बिहार में पार्टी का अपना मुख्यमंत्री बनाकर दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार करें'।

समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

व्रत - त्यौहार

25.03.2025 : बुढवा मंगल

27.03.2025 : प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत

29.03.2025 : स्नान दान की अमावस्या

राम नवमी पर करें इन मंत्रों का जाप

राम नवमी का पर्व हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था, जिन्हें विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान राम ने धरती पर अधर्म का नाश करने और धर्म की पुनः स्थापना के लिए अवतार लिया था। इस दिन को हिंदू धर्म में बहुत ही शुभ माना जाता है। राम नवमी का पर्व हर हिंदू परिवार में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है, लेकिन अयोध्या में इसकी भव्यता देखते ही बनती है।

राम नवमी 2025 तिथि

इस साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का प्रारम्भ 5 अप्रैल की शाम को 07:26 बजे होगा और समाप्त 6 अप्रैल की शाम 07:22 बजे होगा। ऐसे में इस साल राम नवमी का पर्व 6 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन चैत्र नवरात्रि का समापन भी होगा, इसलिए यह दिन और अधिक पावन माना जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

राम नवमी के दिन मध्याह्न पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11:08 बजे से लेकर दोपहर 1:39 बजे तक रहेगा। यह अवधि 2 घंटे 31 मिनट की रहेगी। हालांकि, मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम का जन्म दोपहर 12 बजे हुआ था, इसलिए 12:34 का समय विशेष रूप से शुभ माना जाता है और इस समय पूजन और अभिषेक करने से अत्यधिक पुण्य की प्राप्ति होती है।

राम नवमी पूजा मंत्र

इस दिन श्रीराम के विभिन्न मंत्रों का जाप करने का विशेष महत्व होता है।

ॐ श्री रामचन्द्राय नमः

ॐ रां रामाय नमः

श्रीराम तारक मंत्र श्री राम, जय राम, जय जय राम

श्रीराम गायत्री मंत्र ॐ दाशरथये विद्महे, सीतावल्लभाय धीमहि। तन्नो रामः प्रचोदयात्।।

इस दिन इन मंत्रों का जाप करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

पूजा विधि

राम नवमी के दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करने और सूर्यदेव को जल अर्पित करने का विशेष महत्व है। इस दिन व्रत का संकल्प लेने के बाद घर के मंदिर को अच्छे से साफ कर भगवान राम की प्रतिमा स्थापित की जाती है। दोपहर 12 बजे के करीब श्रीराम का गंगाजल, पंचामृत और शुद्ध जल से अभिषेक किया जाता है।

पूजा में तुलसी पत्ता और कमल का फूल रखना शुभ माना जाता है। फिर षोडशोपचार विधि से भगवान राम की पूजा की जाती है और खीर, फल एवं अन्य मिठाइयों का भोग लगाया जाता है। इस दिन राम रक्षा स्तोत्र, सुंदरकांड और रामायण का पाठ करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। अंत में आरती करने के बाद प्रसाद का वितरण किया जाता है और भक्तों को आशीर्वाद दिया जाता है।

इस बार चैत्र नवरात्रि इन तीन राशि वालों के लिए रहेगी खास, पूरे होंगे सभी अटके काम

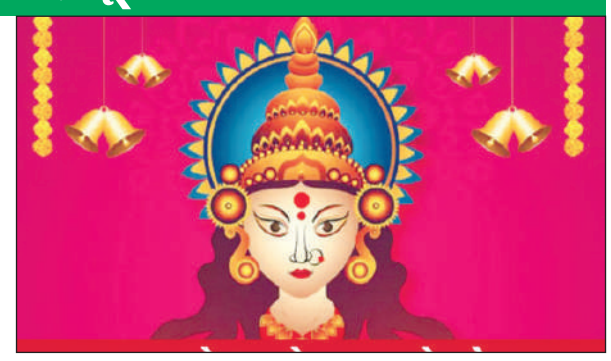

हिंदू धर्म में चार बार नवरात्रि का महापर्व मनाया जाता है, जो सभी देवी की पूजा-अर्चना को समर्पित है। इस दौरान दो नवरात्रि चैत्र और आश्विन माह और बाकी की दो माघ और आषाढ़ में आती है, जिन्हें गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। यह मुख्य रूप से तंत्र साधना और सिद्धि प्राप्त करने के लिए जानी जाती है, जबकि चैत्र और शारदीय नवरात्रि मां दुर्गा की विशेष कृपा पाने का अवसर है।

इस बार 30 मार्च 2025 से चैत्र नवरात्रि का आरंभ हो रहा है और 6 अप्रैल 2025 को इसका समापन होगा। इस अवधि में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की उपासना का विधान है, क्योंकि इस दौरान देवी पृथ्वी लोक पर आती है और सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

परंतु इस बार चैत्र नवरात्रि और भी खास होने वाली हैं, क्योंकि नवरात्रि शुरू होने से एक दिन पहले न्याय के देवता शनि मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों के लिए चैत्र नवरात्रि का समय बेहद कल्याणकारी हो सकता है। माता की कृपा से लंबे समय से अटके कार्य पूरे होंगे। आइए इन लकी राशियों के नाम जानते हैं....

कन्या राशि

यह समय कन्या राशि वालों के लिए और भी खास है। आपको नौकरी में सम्मान की प्राप्ति होगी। किसी नए के आने से जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। लव पार्टनर के साथ प्रेम और विश्वास बना रहेगा। वैवाहिक जीवन में खुशियां कायम रहेंगी। माता की कृपा से आप किसी वाहन, मकान, सोना-चांदी खरीद सकते हैं।

तुला राशि

नवरात्रि में आपके घर में किसी महंगी वस्तु का आगमन हो सकता है। निवेश के लिए समय शुभ रहेगा। किसी संदर्भ में देखा जाए तो बड़े राजनीतिक नेताओं या प्रशासन से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अनबन करने से गंभीर नुकसान हो सकता है, क्योंकि जिनके पास अधिकार होते हैं, वे परिस्थितियों को अपने अनुरूप मोड़ सकते हैं।

मकर राशि

नवरात्रि में देवी की कृपा से लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। आपको सरकारी योजनाओं का भी लाभ मिलेगा। उधार दिया हुआ धन वापस मिलेगा। वाहन और प्रॉपर्टी का अच्छा लाभ मिलेगा। किसी प्रिय व्यक्ति के घर में आने से खुशियों का माहौल बना रहेगा। अचानक से लाभ के मौके मिलेंगे।

ऐसे लोगों से कभी न करें दुश्मनी, बढ़ सकती हैं आपकी मुश्किलें

चाणक्य नीति में मित्र और शत्रु की पहचान करने के कुछ विशेष सूत्र दिए गए हैं। चाणक्य ने तीन ऐसे लोगों का उल्लेख किया है जिनसे शत्रुता रखना स्वयं के लिए मुसीबत खड़ी करने जैसा है। तो आइए जानते हैं कि वे कौन हैं...

1. सत्ताधारी व्यक्ति

चाणक्य के अनुसार राजा और सत्ताधारी या शक्तिशाली व्यक्ति से शत्रुता नहीं करनी चाहिए। आधुनिक संदर्भ में देखा जाए तो बड़े राजनीतिक नेताओं या प्रशासन से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अनबन करने से गंभीर नुकसान हो सकता है, क्योंकि जिनके पास अधिकार होते हैं, वे परिस्थितियों को अपने अनुरूप मोड़ सकते हैं।

2. धनवान व्यक्ति

चाणक्य नीति के अनुसार धनवान व्यक्ति से शत्रुता करना भी अपने लिए नुकसानदायक होता है। धन से व्यक्ति की शक्ति बढ़ती है और इससे वह दूसरों पर अधिक हावी होने की क्षमता रखता है।

3. बलशाली व्यक्ति

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि शारीरिक या मानसिक रूप से बलवान व्यक्ति से टकराव मोल लेना हानिकारक हो सकता है। ऐसा व्यक्ति अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसलिए ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखनी चाहिए। धन और बल में श्रेष्ठ व्यक्ति से शत्रुता करना अनावश्यक संकट को आमंत्रित करने जैसा है।

चाणक्य की इन नीतियों का अनुसरण कर व्यक्ति अपने जीवन को सुरक्षित और सफल बना सकता है। उनके विचारों को समझना और व्यवहार में लाना, जीवन में संतुलन और समृद्धि लाने में सहायक हो सकता है।

नीम करोली बाबा के अनुसार, ये घटनाएं देती हैं अच्छे दिन आने के संकेत

नीम करोली बाबा को एक आध्यात्मिक संत और चमत्कारी महापुरुष के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि उनका जन्म 1900 के आसपास उत्तर प्रदेश के अकबरपुर गांव में हुआ था। उनके भक्त उन्हें हनुमान जी का अवतार मानते हैं। सरल स्वभाव और दिव्य शक्ति वाले नीम करोली बाबा से जुड़े चमत्कारों की चर्चा आज भी होती रहती है। उन्होंने जीवन के कुछ शुभ संकेतों और घटनाओं के बारे में बताया है, जो आपके जीवन में अच्छे दिनों के आने के संकेत देते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं...

अच्छे दिनों के आने के संकेत

पितरों के दर्शन

नीम करोली बाबा के अनुसार, यदि आपको सपने में पूर्वजों के दर्शन होते हैं, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। विशेष रूप से अगर वे प्रसन्न मुद्रा में हैं या आशीर्वाद दे रहे हैं, तो यह इस बात का प्रतीक है कि उनकी कृपा आप पर बनी हुई है और आपका अच्छा समय शुरू होने वाला है।

पशु-पक्षियों का आगमन

कठिन समय के दौरान यदि कोई पक्षी, जैसे गौरैया या चिड़िया आपके घर में आकर कुछ समय के लिए ठहर जाए, तो इसे एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत माना जाता है। माना जाता है कि ऐसा होने पर जीवन की परेशानियां समाप्त हो सकती हैं और सफलता के नए द्वार खुल सकते हैं।

भक्ति के दौरान भावुक होना

यदि मंदिर में जाते ही आपकी आंखों से अपने आप आंसू बहने लगते हैं और आप भावुकता से भर जाएं, तो इसे भी एक शुभ संकेत माना जाता है। यह दर्शाता है कि प्रभु आपके समीप हैं और आपकी प्रार्थनाएं सुन रहे हैं। ऐसा अक्सर तब होता है जब व्यक्ति मानसिक कष्ट में होता है और उसे कोई मार्ग नहीं सूझ रहा होता।

साधु-संत के दर्शन

यदि अचानक आपको किसी साधु या संत के दर्शन या मुलाकात हो जाए, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। दरअसल, संतों के दर्शन को जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन का संकेत माना जाता है।

अंतर्मन के संकेत

जब व्यक्ति बहुत बड़ी उलझन में होता है और अचानक उसे भीतर से कोई स्पष्ट मार्गदर्शन मिलने लगे। दरअसल इसे भी एक ईश्वरीय संकेत माना जाता है। यदि आपको बिना सोचे ही अचानक कोई समाधान सूझने लगे, तो यह इस बात को दर्शाता है कि आपके ऊपर दिव्य कृपा बनी हुई है और आपके अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

वर्ष 2022-24 के दौरान रैगिंग से 51 मौतें, कोटा में आत्महत्याओं की संख्या के करीब: रिपोर्ट

नयी दिल्ली : वर्ष 2020 से 2024 तक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में रैगिंग के कारण 51 मौत दर्ज की गयी है, यह आंकड़ा इसी अवधि के दौरान कोचिंग हब कोटा में छात्र आत्महत्याओं के करीब है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। सोसाइटी अगेंस्ट वायलेंस इन एजुकेशन द्वारा प्रकाशित 'स्टेट ऑफ रैगिंग इन इंडिया 2022-24' रिपोर्ट में भी मेडिकल कॉलेजों को रैगिंग की शिकायतों के लिए हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है। राष्ट्रीय रैगिंग रोधी हेल्पलाइन पर 1,946 कॉलेजों से दर्ज 3,156 शिकायतों के आधार पर रिपोर्ट में प्रमुख प्रवृत्तियों, उच्च जोखिम वाले संस्थानों और रैगिंग से संबंधित मामलों का अध्ययन किया है।

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजने के निर्णय की पुष्टि की

नयी दिल्ली : प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने सोमवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने के अपने निर्णय की पुष्टि की। इससे पहले, अपने सरकारी आवास से भारी मात्रा में नकदी की कथित बरामदगी के मामले से घिरे न्यायमूर्ति वर्मा से सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने कामकाज वापस ले लिया था। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किये गये एक प्रस्ताव में न्यायमूर्ति वर्मा का तबादला करने की केंद्र से की गयी सिफारिश सार्वजनिक की गयी।

सीबीएसई 12वीं कक्षा की अकाउंट्स परीक्षा में कैलकुलेटर की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है

नयी दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 12वीं कक्षा की 'अकाउंट्स' की परीक्षाओं में लंबी गणनाओं से जुड़े संज्ञानात्मक दबाव को कम करने के लिए साधारण कैलकुलेटर के उपयोग की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। बोर्ड के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए उनके उपयोग पर दिशानिर्देश तैयार करने के मकसद से एक समिति का गठन किया जाएगा। सीबीएसई 10वीं और 12 वीं कक्षाओं में दिव्यांग विद्यार्थियों को 'कैलकुलेटर' का उपयोग करने की अनुमति देता है। 'काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएसईसी)' ने 2021 में 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को 'कैलकुलेटर' का उपयोग करने की अनुमति दी थी।

सेना के प्रशिक्षु अधिकारियों के अपहरण और महिला मित्र से सामूहिक बलात्कार मामले में पांच को उम्र कैद

महू : मध्य प्रदेश के महू की एक सत्र अदालत ने दो प्रशिक्षु सैन्य अधिकारियों और उनकी दो महिला मित्रों से लूटपाट, मारपीट और अपहरण तथा उनमें से एक के साथ सामूहिक बलात्कार करने के मामले में पांच लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पिछले साल 11 सितंबर को देर रात दो से तीन बजे के बीच महू-मंडलेश्वर रोड पर जाम गेट पर हुई यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। महू अदालत की विशेष लोक अभियोजक संध्या उइके ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रविशंकर दोहरे ने अनिल बारोड़ (27), पवन वसुनिया (23), रितेश भाभर (25), रोहित गिरवाल (23) और सचिन मकवाना (25) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

'आप' सरकार के कार्यकाल पर श्वेत पत्र लाएंगे: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में शासन कर चुकी आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्व सरकार के कार्यकाल पर एक ''श्वेत पत्र'' पेश करेगी। गुप्ता ने विधानसभा सत्र के दौरान दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान यह बात कही। आठवीं दिल्ली विधानसभा का पहला बजट सत्र शुरू हो चुका है। इससे पहले गुप्ता ने दिन में कैग रिपोर्ट पेश की, जिसमें डीटीसी के वित्तीय और परिचालन के संबंध में चर्चा किए

जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण जल्द ही पेश किया जाएगा क्योंकि विभिन्न विभागों में ऑडिट अब भी जारी है।

भाजपा सरकार आज दिल्ली विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करेगी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत दिल्ली सरकार आज विधानसभा में अपना पहला बजट पेश करेगी, जिसमें यमुना नदी की सफाई, बुनियादी ढांचा विकास और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने जैसे चुनावी वादों को लागू करने के लिए धन का प्रावधान किया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले 'विकसित दिल्ली' की 'मिठास' के प्रतीक के रूप में 'खीर' समारोह का आयोजन किया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि विधानसभा में पेश होने वाला 2025-26 का बजट 80,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है। विपक्ष की नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने बजट पेश किए जाने से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण पेश नहीं करने के लिए रेखा गुप्ता सरकार की आलोचना की। उन्होंने बजट सत्र की शुरुआत में भाजपा द्वारा आयोजित खीर समारोह पर कटाक्ष करते हुए कहा, दिल्ली का बजट खीर बनाकर नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के आंकड़ों के आधार पर बनाया जा सकता है।

ओडिशा: राष्ट्रपति मुर्मू ने नयागढ़ में श्री नीलमाधव मंदिर में पूजा-अर्चना की

शिंदे का अपमान करने के लिए कामरा को माफी मांगनी चाहिए: फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ की गई अपमाजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। फडणवीस ने यह भी कहा कि ऐसे निंदनीय कृत्यों का समर्थन करने वाले 'अर्बन नक्सलियों' और 'वामपंथी उदारवादियों' को सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह बयान शिंदे के खिलाफ कामरा की कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर पैदा हुए विवाद के बीच आया है। उन्होंने राज्य विधानमंडल परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कामरा का यह कृत्य निंदनीय है। कामरा ने मुंबई के खार इलाके में यूनिकॉन्टिनेंटल होटल के हैबिटेट स्टूडियो में अपने कार्यक्रम के दौरान

उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता शिंदे को कथित तौर पर 'गद्दार' कहा था और उन्हें लेकर एक व्यंग्यात्मक पैरोडी भी गाई थी। कामरा ने 2022 में शिंदे की ओर से तत्कालीन मुख्यमंत्री और (अविभाजित) शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ की गई बगावत का वर्णन करने के लिए फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने के संशोधित संस्करण का इस्तेमाल किया था।

नागपुर हिंसा: अदालत ने दो आरोपियों के घरों को ढहाने पर रोक लगाई

■ नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी का मकान ढहाया गया

नागपुर : बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने हिंसा मामले में फहीम खान समेत दो आरोपियों के घरों को ढहाने पर सोमवार को रोक लगा दी और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। फहीम खान के दो मंजिला घर को अदालत के आदेश से पहले ही ढहा दिया गया था, जबकि यूसुफ शेख के घर के अवैध हिस्सों को ढहाने की कार्रवाई अदालत के आदेश के बाद रोक दी गई। दोनों आरोपियों ने अदालत में याचिका दायर कर जल्द सुनवाई की मांग की थी। न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे

और न्यायमूर्ति वृषाली जोशी की खंडपीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। पीठ ने सवाल किया कि कथित अवैध हिस्सों को ढहाने से पहले मकान मालिकों की बात क्यों नहीं सुनी गई। पीठ ने कहा कि यह कार्रवाई संपत्ति के मालिकों की बात सुने बिना ही दमनात्मक तरीके से की गई। खान की ओर से पेश हुए वकील अश्विन इंगोले ने कहा कि अदालत ने सरकार और नगर निगम अधिकारियों से जवाब मांगा है तथा मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को तय की है।

सौरव गांगुली विश्व जल दिवस पर नटराज पाइप्स के बने ब्रांड एंबेसडर

दुर्गापुर , समाज्ञा : प्रभु पॉली पाइप्स लिमिटेड के तहत कार्यरत अग्रणी पाइपिंग समाधान कंपनी नटराज पाइप्स ने क्रिकेट के दिग्गज सौरव गांगुली को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। यह घोषणा विश्व जल दिवस के अवसर पर कोलकाता के ताज बंगाल होटल में आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। इस दौरान नटराज पाइप्स ने स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस अवसर पर सौरव गांगुली ने इस साझेदारी के प्रति अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, जल संरक्षण और इसके कुशल प्रबंधन के बिना एक स्थायी भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। मुझे नटराज पाइप्स के साथ सहयोग करने का गर्व है, जो उच्च गुणवत्ता और नवाचार में विश्वास करता है। कंपनी के सीईओ और प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने ब्रांड के विजन पर बात करते हुए कहा, हमारी यात्रा हमेशा इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और नवाचार की रही है। नटराज पाइप्स के प्रबंध निदेशक हरि मोहन मर्दा ने स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व पर जोर दिया, साथ ही उच्च गुणवत्ता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार पाइपिंग समाधानों से भारत के विकास का समर्थन करने की बात की।

यूसीसी नागरिकों को समान अधिकार देगी, मुस्लिम महिलाओं का उत्पीड़न समाप्त करेगी : धामी

रुद्रपुर (उत्तराखंड) : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) राज्य के प्रत्येक नागरिक को उनके धर्म या जाति के बावजूद समान अधिकार प्रदान करेगी और मुस्लिम महिलाओं का उत्पीड़न समाप्त करेगी। धामी मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने पर उन्हें बधाई देने के लिए यहां गांधी पार्क में आयोजित एक समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। धामी ने कहा कि उनकी सरकार देवभूमि के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतर रही है, जिन्होंने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) 27 जनवरी को लागू की गई, जिससे उत्तराखंड स्वतंत्र भारत में इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन गया। इससे सभी को समान अधिकार मिलेंगे। इससे हमारी मुस्लिम बहनों का उत्पीड़न समाप्त हो जाएगा।

अभ्यास 'वरुण' ने संयुक्त कौशल बढ़ाने का अपना लक्ष्य हासिल किया : भारतीय नौसेना

नयी दिल्ली : भारत और फ्रांस के बीच 19-22 मार्च तक आयोजित नौसैनिक अभ्यास 'वरुण' ने संयुक्त कौशल बढ़ाने के अपने लक्ष्य को हासिल किया और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए साझा प्रतिबद्धता को मजबूत किया। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि इन जटिल अभ्यासों से बेहतर परिचालन अनुभव मिला है तथा समकालीन समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक क्षमता मजबूत हुई है। द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास का 23वां संस्करण भारत और फ्रांस के बीच स्थायी समुद्री साझेदारी का प्रमाण है।

अपने करियर में '80 प्रतिशत सामाजिक कार्य, 20 प्रतिशत राजनीति' के सिद्धांत का पालन किया : शिंदे

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अपने करियर में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के '80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति' के सिद्धांत का पालन किया है और आम आदमी के लिए काम करना जारी रखने का संकल्प लिया। शिंदे की यह टिप्पणी राज्य विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद आई है, जिसमें उन्हें इस महीने की शुरुआत में वारकरी (भगवान विट्ठल के भक्त) समुदाय के प्रतिष्ठित पुरस्कार 'आद्य जगतगुरु श्री संत तुकाराम महाराज पुरस्कार' प्राप्त करने पर बधाई दी गई थी। यह

प्रस्ताव स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा शिवसेना नेता शिंदे के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बीच आया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कामरा से माफी की मांग की है, जबकि विपक्ष उनके समर्थन में सामने आया है। शिंदे ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। संत तुकाराम के नाम पर पुरस्कार प्राप्त करने के लिए उन्हें बधाई देने वाले प्रस्ताव पर अपने जवाब में शिंदे ने कहा कि यह पुरस्कार राज्य की जनता का है और वह इसे जनता को समर्पित करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, अपने 40 साल के करियर में मैंने बालासाहेब ठाकरे के 80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति के सिद्धांत का पालन किया है और आम आदमी के लिए काम करना जारी रखने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने जो काम किया, उसकी वजह से राज्य को भारी जीत मिली (भाजपा, शिवसेना और राकांपा वाली महायुति को)। हम लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगे। हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। शिंदे ने कहा कि वह खुद को 'आम आदमी' मानते हैं। कामरा ने शिंदे को गद्दार कहा था और मुंबई के खार इलाके में यूनिकॉन्टिनेंटल होटल के हैबिटेट स्टूडियो में एक प्रदर्शन के दौरान उनकी पैरोडी भी गाई थी। पुलिस ने बताया कि रविवार रात शिवसेना के कई कार्यकर्ता होटल यूनिकॉन्टिनेंटल (जहां स्टूडियो स्थित है) के बाहर एकत्र हुए।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकवाद रोधी अभियान तेज

जम्मू : जम्मू क्षेत्र में कठुआ जिले के घने जंगलों में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के एक समूह के खिलाफ तलाश अभियान सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के नेतृत्व में अभियान को कमांडो, ड्रोन और श्वान दस्तों की अतिरिक्त तैनाती के साथ सोमवार सुबह तेज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबल उस पौधशाला में तलाश अभियान चला रहे हैं जिसके बारे में माना जाता है कि आतंकवादी सीमा पार से घुसपैठ करने के बाद वहां छिपे थे। यह अभियान पाकिस्तान के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर सान्याल गांव में पौधशाला के भीतर स्थित 'ढोक' (बाड़े के लिए स्थानीय शब्द) में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिलने के बाद शुरू किया गया। विशेष अभियान समूह के एक पुलिस दल ने सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया और जब पुलिसकर्मी क्षेत्र में दाखिल हुए तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई जो आधे घंटे से अधिक समय तक जारी रही। आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान में सहायता के लिए तुरंत अतिरिक्त बल भेजा गया।

आज के युद्धक्षेत्र में वही टिके रह सकते हैं, जो खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल सकते हैं : सीडीएस

नयी दिल्ली : प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि आज के युद्धक्षेत्र में वही टिके रह सकते हैं, जो स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं और खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल सकते हैं। सीडीएस चौहान ने कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम), सिकंदराबाद में यह बात कही। वह 21वीं सदी के जटिल सुरक्षा परिदृश्य संबंधी चुनौतियों पर उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम एचडीएमसी-20 का अध्ययन कर रहे भावी रणनीतिक नेताओं को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। जनरल चौहान ने समकालीन और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए तेजी से बदलती वैश्विक शक्ति गतिशीलता, गैर-पारंपरिक खतरों और तेज गति वाले 'एआई' व्यवधानों की विशेषता वाली तकनीकी प्रगति के बीच अनुकूलनशीलता, लचीलापन और दूरदर्शी नेतृत्व बहुत महत्वपूर्ण है। सीडीएस ने समन्वित प्रतिक्रिया के लिए संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को आकार देने में भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका को रेखांकित किया। रक्षा सुधारों के वर्ष में राष्ट्रीय सुरक्षा वास्तुकला और परिवर्तन प्रबंधन पर भाषण में उन्होंने सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) के कामकाज और सशस्त्र बलों में एकीकरण और तालमेल को बढ़ावा देने की दिशा में परिवर्तनकारी अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सशस्त्र बलों के लिए विजन 2047, संयुक्त सिद्धांतों, रक्षा और सैन्य नीतियों के साथ-साथ एकीकृत क्षमता विकास योजना को अंतिम रूप देने के प्रयासों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने डीएमए द्वारा शुरू की गई आत्मनिर्भरता पहल पर चर्चा करते हुए परिवर्तन के वर्ष के रोडमैप का सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य प्रदान किया।

चार वर्षों में 90 लाख से अधिक अद्यतन आईटीआर दाखिल; सरकारी खजाने में 9,118 करोड़ रुपये आए

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को संसद को बताया कि पिछले चार वर्षों में 90 लाख से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किये गए, जिससे सरकारी खजाने में 9,118 करोड़ रुपये आए। स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार ने 2022 में संबद्ध आकलन वर्ष से दो साल तक अद्यतन आयकर रिटर्न (आईटीआर-यू) दाखिल करने का विकल्प उपलब्ध कराया था। वित्त विधेयक, 2025 के माध्यम से सरकार ने अद्यतन रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को संबद्ध आकलन वर्ष से चार वर्ष तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया है।

'डिजी यात्रा' सुविधा अब 24 हवाई अड्डों पर उपलब्ध

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को बताया कि हवाई अड्डों पर यात्रियों को परेशानी रहित यात्रा के लिए एक दिसंबर 2022 को शुरू की गई 'डिजी यात्रा' सुविधा अब 24 हवाई अड्डों पर उपलब्ध है और इसे चरणबद्ध आधार पर देश भर के सभी हवाई अड्डों पर आरंभ किया जाएगा। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सुविधा की शुरुआत दिल्ली, बेंगलुरु और वाराणसी हवाई अड्डों पर की गई थी। नायडू ने बताया कि 'डिजी यात्रा' शुरू होने के बाद से एक करोड़ से अधिक हवाई यात्रियों ने 'डिजी यात्रा एप्लीकेशन' डाउनलोड किया और डिजी यात्रा सक्षम हवाई अड्डों पर इसका उपयोग पांच करोड़ से अधिक बार किया गया है। उन्होंने बताया कि 'डिजी यात्रा' में डेटा सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए डिजी यात्रा सेंट्रल इकोसिस्टम (डीवाईसीई) को गोपनीयता के मूल सिद्धांतों पर तैयार किया गया है। इसके तहत यात्री के स्मार्टफोन वालेट में संग्रहित डेटा केवल मूल हवाई अड्डे के साथ सीमित अवधि के लिए साझा किया जाता है जहां यात्री को अपनी पहचान यानी आईडी की पुष्टि करनी होती है।

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के आरोप में एनएचएआई के महाप्रबंधक और तीन अन्य व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक महाप्रबंधक और एक निजी कंपनी के महाप्रबंधक समेत तीन अन्य लोगों को 15 लाख रुपये की कथित रिश्वतखोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि एनएचएआई के आरोपी महाप्रबंधक रामप्रीत पासवान ने एनएचएआई के अनुबंधों/कार्यों से संबंधित बिल की मंजूरी देने में अनुचित पक्षधरता के लिए कथित तौर पर 15 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। पासवान के अलावा सीबीआई ने 'राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड' के महाप्रबंधक (जीएम) सुरेश महापात्रा को भी गिरफ्तार किया है। इस कंपनी के दो कर्मचारियों-- बरुण कुमार और चेतन कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है।

संसद ने तेलक्षेत्र संशोधन विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : राज्यसभा ने सोमवार को हंगामे के बीच खनिज तेल उत्खनन के लिए 'एकल परमिट' प्रणाली लाने और समग्र ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लक्ष्य वाले एक अहम विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। उच्च सदन की बैठक दो बाद के स्थगन के बाद जब ढाई बजे शुरू हुई तो उपसभापति हरिवंश की अनुमति से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 'तेलक्षेत्र (विनियमन तथा विकास) संशोधन विधेयक, 2024' को पारित करने के लिए पेश किया। राज्यसभा में यह विधेयक मूल रूप से पिछले साल शीतकालीन सत्र के दौरान तीन दिसंबर को पारित हुआ था और उसके बाद यह विधेयक लोकसभा को भेजा गया था।

राणा सांगा, शिवाजी को आदर्श मानने के बजाय विपक्ष के लोग औरंगजेब को याद कर रहे : अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि राणा सांगा, छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप को आदर्श मानने के बजाय ये लोग बाबर और औरंगजेब को याद करने में लगे हैं। लोकसभा में वित्त विधेयक, 2025 पर चर्चा में भाग लेते हुए ठाकुर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सदस्य सुप्रिया सुले का नाम लिए बगैर उनकी एक टिप्पणी का जिक्र किया। सुले ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के सदन में दिए गए भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सत्तापक्ष के लोग बार-बार पुराने

जमाने की बातें करते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा, ''यहां कब्र खोदने की बातें की गई हैं। कहा गया कि गड़े मुर्दे क्यों उखाड़े जा रहे हैं।'' उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा, ''ये लोग अब भी 17वीं शताब्दी की मुगलई सोच के साथ चल रहे हैं। राणा सांगा, शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप इनके आदर्श होने चाहिए थे, लेकिन ये बाबर और औरंगजेब को याद करने में लगे हैं।'' ठाकुर ने कहा, ''विपक्ष के लोग हमारे पूर्वजों, नायकों को अपमानित करने का बार-बार प्रयास करते हैं। ये वोट बैंक के लिए स्वाभिमान को कितना नीचे गिराएंगे।'' ठाकुर ने देश में कराधान संबंधी मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर अपने हमले में कहा कि विपक्ष के लोग उस मुगल शासक को याद करते हैं जिसने धर्म के नाम पर हिंदुओं पर जजिया कर लगाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 93.5 प्रतिशत कर लगाया था, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 12 लाख रुपये तक सालाना आय को कर-मुक्त कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर प्रदेश की 'क्वार्टर-मिलर' रूपल चौधरी ने जीता स्वर्ण पदक

तिरुवनंतपुरम : उत्तर प्रदेश की विश्व अंडर-20 कांस्य पदक विजेता रूपल चौधरी ने सोमवार को यहां अपने सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए इंडियन ओपन 400 मीटर प्रतियोगिता के छठे चरण में महिलाओं की सीनियर 400 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पिछले दो वर्षों से चोट और 'रिहैबिलिटेशन' के कारण बाहर रहने के बाद 20 वर्षीय धावक ने खिताब जीता। उन्होंने अंतिम मोड़ पर अपने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 52.41 सेकेंड में फिनिश लाइन पार की। तमिलनाडु की एशियाई खेलों की पदक विजेता आर विथ्या रामराज 53.62 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। केरल की स्नेहा के 54.09 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में केरल के मनु टीएस का दबदबा रहा जिन्होंने 46.51 सेकेंड का समय लेकर जीत दर्ज की। यह मनु का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय था। इससे पहले जनवरी में उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में मनु ने 47.08 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल किया था।

हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध की शीर्ष श्रेणी में बरकरार

नयी दिल्ली : भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप कप्तान स्मृति मंधाना और हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा को सोमवार को ग्रेड ए में बरकरार रखा गया, जो भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध की सर्वोच्च श्रेणी है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर, ऑलराउंडर जेमिमा रोड्रिग्स, विकेटकीपर ऋचा घोष और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को भी ग्रेड बी में बनाए रखा गया है लेकिन पिछले साल ग्रेड बी में शामिल बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड अपना अनुबंध बरकरार नहीं रख पाई। युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल, तेज गेंदबाज टिटास साधु और अरुंधति रेड्डी, ऑलराउंडर अमनजोत कौर और विकेटकीपर उमा छेत्री को पहली बार केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया है।

दिल्ली ने जीत के साथ किया आगाज, लखनऊ को एक विकेट से हराया; आशुतोष शर्मा चमके

विशाखापत्तनम: आशुतोष शर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को एक विकेट से हराकर अपने अभियान का आगाज किया। सोमवार को विशाखापत्तनम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.3 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 211 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की खराब शुरुआत हुई थी। जैक फ्रेजर मैकगर्क एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने अभिषेक पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह खाता नहीं खोल सके। इसके बाद एम सिद्धार्थ ने समीर रिजवी को पंत के हाथों कैच कराया। शुरुआती ओवरों में तीन विकेट गंवा चुकी दिल्ली कैपिटल्स को एक अच्छी साझेदारी की जरूरत थी।

पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे अक्षर पटेल ने फाफ डु प्लेसिस के साथ चौथे विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी निभाई। कप्तान को दिग्वेश राठी ने निकोलस पूरन के हाथों कैच कराया। वह 11 गेंदो में 22 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, डुप्लेसिस ने 29 रन बनाए। इसके बाद मोर्चा ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष शर्मा ने संभाला। दोनों ने दिल्ली की जीत की नींव रखी। स्टब्स 22 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए जबकि आशुतोष 66 रन बनाकर नाबाद रहे। वह अंत तक डटे रहे और मैच जिताऊ प्रदर्शन के साथ टीम की जीत सुनिश्चित की। उनके अलावा दिल्ली के लिए विपराज निगम ने 39, मिचेल स्टार्क ने दो, कुलदीप यादव ने पांच और मोहित शर्मा ने एक* रन बनाया। लखनऊ के लिए शार्दुल, सिद्धार्थ, दिग्वेश और बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिए।

भारतीय कबड्डी महासंघ पर लगा प्रतिबंध अगले महीने हटेगा: अंतरराष्ट्रीय संस्था प्रमुख तिवारी

नयी दिल्ली : भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों को राहत देते हुए खेल की अंतरराष्ट्रीय शासी संस्था अगले महीने राष्ट्रीय महासंघ पर लगा निलंबन हटाने जा रही है क्योंकि अदालत द्वारा नियुक्त प्रशासक ने कार्यभार निर्वाचित संस्था को सौंप दिया है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) के अध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने पीटीआई को बताया कि अगले महीने होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक के बाद प्रतिबंध हटा लिया जाएगा। आईकेएफ ने पिछले साल जुलाई में भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ (एकेएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि 'निर्वाचित संस्था' को कार्यभार संभालने की अनुमति नहीं दी गई थी। तिवारी ने साक्षात्कार में कहा, 'अदालत द्वारा नियुक्त प्रशासक ने दिसंबर 2023 में चुने गए एकेएफआई पदाधिकारियों को कार्यभार सौंप दिया है। एकेएफआई पदाधिकारियों ने जेए-लएन स्टेडियम में एकेएफआई कार्यालय से काम करना शुरू कर दिया है। इसलिए एकेएफआई पर प्रतिबंध हटा दिया जाएगा।'

न्यूज अपडेट

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया के ब्यूरो सदस्य चुने गए

अम्मान (जॉर्डन) : भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष संजय कुमार सिंह को सोमवार को खेल की संचालन संस्था 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग' (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) एशिया का ब्यूरो सदस्य चुना गया। राष्ट्रीय महासंघ ने इसकी घोषणा की। यह चुनाव एशियाई चैम्पियनशिप की शुरुआत से एक दिन पहले सोमवार को अम्मान में यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया की आम सभा के दौरान हुआ। सिंह ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'यह सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारतीय कुश्ती के विकास और मान्यता का प्रमाण है। मैं पूरे महाद्वीप में खेल को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू-एशिया के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

पंजाब और गुजरात के मैच में अय्यर और गिल के बीच होगी कप्तानी की रोचक जंग

अहमदाबाद : पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मंगलवार को यहां होने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल के बीच कप्तानी की भी रोचक जंग देखने को मिलेगी। अय्यर आईपीएल के सफल कप्तानों में शामिल है। उनके नेतृत्व में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले साल खिताब जीता था। इससे चार साल पहले 2020 में दिल्ली कैपिटल्स ने उनकी कप्तानी में फाइनल में जगह बनाई थी। अब उनका लक्ष्य पंजाब का आईपीएल खिताब जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म करना होगा। पंजाब आईपीएल 2018 के सेमीफाइनल में पहुंचा था जबकि उसने 2014 में फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन पिछले चार वर्षों में शीर्ष पांच में भी जगह नहीं बना सका। किंग्स इलेवन पंजाब से पंजाब किंग्स बनने के बावजूद इस टीम को अब भी अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है। लेकिन अब अय्यर के रूप में नया कप्तान और रिकी पोंटिंग के रूप में नया मुख्य कोच मिलने के बाद पंजाब की टीम नए सिरे से शुरुआत करने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ गिल को भारत का भविष्य का कप्तान माना जा रहा है। उन्हें हाल में भारत की एकदिवसीय टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया। उन्होंने हार्दिक पांड्या के पिछले साल मुंबई इंडियंस से जुड़ जाने के बाद गुजरात की कप्तानी संभाली थी लेकिन उनकी टीम तब आठवें स्थान पर रही थी। इससे पहले हार्दिक की कप्तानी में गुजरात की टीम 2022 में विजेता और 2023 में उपविजेता रही थी।

पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नयी दिल्ली : पंजाब की पावरलिफ्टर सीमा रानी ने सोमवार को यहां खेलो इंडिया पैरा खेल में महिलाओं के एलीट 61 किग्रा वर्ग में 97 किग्रा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया जबकि बिहार के झंडू कुमार ने पुरुषों के एलीट 72 किग्रा वर्ग में 206 किग्रा वजन उठाया। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में निशानेबाजी स्पर्धाओं में पैरालंपियनों ने दबदबा बनाया। पेरिस पैरालंपिक की कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल ने मिश्रित 50 मीटर प्रोन एचएस1 वर्ग में

243.3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। वह पहले ही महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एचएच1 और मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच2 वर्गों में दो रजत पदक जीत चुकी हैं। राजस्थान के निहाल सिंह मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में हावी रहे, उन्होंने दिसंबर 2023 में आयोजित खेलो इंडिया पैरा खेल के पहले चरण से अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

धोनी और कोहली किसी संस्था की तरह हैं: नवजोत सिद्धू

नयी दिल्ली : महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली को मौजूदा दौर के 'आयकॉन (नायक या आदर्श) के रूप में जाना जाता है लेकिन भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू के लिए ये दोनों दिग्गज संस्था किसी से कम नहीं हैं। सिद्धू ने कहा कि समकालीन खिलाड़ियों के फीके पड़ने के बाद भी कोहली और धोनी की प्रासंगिकता कम नहीं होगी। आईपीएल के लिए जियोस्टार विशेषज्ञ सिद्धू चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्रतिद्वंद्विता के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'लोग उन्हें (कोहली और धोनी) आयकॉन कहते हैं। मैं उन्हें संस्थाएं कहता हूं। विराट कोहली का नाम पीढ़ियों तक रहेगा। धोनी का नाम पीढ़ियों तक रहेगा। उन्हें लंबे समय तक दुनिया भर में अपने वर्चस्व को स्थापित करने और सभी प्रारूपों में खुद को ढालने के लिए जाना जायेगा। उनका रवैया किसी शेर जैसा है।' उन्होंने कहा, 'इन खिलाड़ियों ने अपने करिश्मे और आकर्षण से पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। पूरी दुनिया में वे बेहतरीन 'रोल मॉडल' है। गली के बच्चे विराट कोहली बनना चाहते हैं। उनका प्रभाव इस तरह का है।' सिद्धू ने धोनी को विशेष खिलाड़ी करार देते हुए कहा, 'वह भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहे हैं। वह साथी खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरने में सफल रहे हैं।

प्रासंगिक बने रहने के लिए मुझे भी खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालना होगा: धोनी

चेन्नई : करिश्माई क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी ने रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी सौंपने के बावजूद पर्दे के पीछे से निर्णय लेने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चेन्नई की रविवार की रात को खेले गए मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ चार विकेट से जीत के बाद जियोस्टार से बात करते हुए धोनी ने गायकवाड़ के नेतृत्व, अपनी फॉर्म और मौजूदा लीग में की जा रही क्षेत्रीय कमेंट्री के बारे में भी बात की। धोनी ने कहा, 'बल्लेबाज अब जोखिम लेने को तैयार हैं। अब बल्लेबाजों का मानना है कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ वे बड़े स्ट्रोक खेल सकते हैं और साथ ही वे अपने शॉट चयन में सुधार कर रहे हैं फिर चाहे वह तेज गेंदबाज के खिलाफ रिवर्स स्कूप हो, स्वीप हो या तेज गेंदबाज के खिलाफ रिवर्स स्वीप हो।' उन्होंने कहा, 'मैं उनसे अलग

नहीं हूं। मुझे भी खुद को ढालना होगा। जहां मैं बल्लेबाजी कर रहा हूं, वहां मेरे लिए यही जरूरी है। आपको कोशिश करनी होगी और प्रासंगिक बने रहना होगा।' धोनी ने कहा, 'हमने जिस तरह से 2008 में टी20 खेला था और जिस तरह से हम पिछले साल आईपीएल में खेले उसमें बहुत अंतर था। पहले विकेट काफी टर्न लेते थे लेकिन अब भारत के विकेट पहले की तुलना में काफी बेहतर बन गए हैं। यह बल्लेबाजों के लिए अधिक अनुकूल है।'

भारत वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग के लिए भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी विकल्प बनने को तैयार : सोनोवाल

सिंगापुर : भारत ने बंदरगाह के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने और कारोबार सुगमता की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास शुरू किए हैं और ये सुधार बंदरगाह की दक्षता में वृद्धि, मजबूत मालवहन प्रवाह और बढ़ते निवेशक भरोसे के रूप में फल दे रहे हैं। पोत परिवहन, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यह जानकारी दी है। सिंगापुर में 24-28 मार्च तक आयोजित समुद्री सप्ताह को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि भारत, दुनियाभर के जहाज निर्माण उद्योगों के लिए एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी विकल्प बनने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, नीतिगत प्रोत्साहन, कारोबार सुगमता और बुनियादी ढांचे में वृद्धि के माध्यम से हम वर्ष 2047 तक भारत को शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में से एक के रूप में उभरने की नींव रख रहे हैं। इसके अलावा, भारत हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के निर्माण का समर्थन करने और समुद्री क्षेत्र में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग में अग्रणी होने के लिए तीन हरित हाइड्रोजन केंद्र बंदरगाहों - कांडला, तूतीकोरिन और पारादीप की स्थापना कर रहा है।

पीएलआई योजना के दूसरे चरण में विशेष इस्पात के लिए 17,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता

नयी दिल्ली : उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दूसरे चरण में कुल 25 कंपनियों ने विशेष इस्पात के लिए 17,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, इन कंपनियों ने उच्च श्रेणी का इस्पात बनाने के लिए सरकार के साथ 42 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने जनवरी में विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की थी। इसे पीए-लआई योजना 1.1 कहा गया। इस्पात मंत्रालय ने कहा, 'दूसरे दौर में अधिक उत्साह देखा गया है, जिसमें 25 कंपनियों ने 42 आवेदन किए हैं। इसके तहत 17,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है।' कंपनियों ने पांच तरह के उच्च श्रेणी के इस्पात का उत्पादन करने के लिए इस्पात मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पीए-लआई योजना के पहले दौर में 23 कंपनियों ने 44 आवेदन किए थे, जिनमें से एक परियोजना के लिए प्रोत्साहन पहले ही जारी किया जा चुका है। कुमारस्वामी ने कहा, 'घरेलू स्तर पर हम विशेष इस्पात का विनिर्माण नहीं कर रहे हैं, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से अपने इस्पात विनिर्माताओं से विशेष इस्पात संयंत्रों में निवेश करने का अनुरोध करता हूं। यदि आप घरेलू स्तर पर विशेष इस्पात का उत्पादन करने में सफल हुए तो इससे देश में क्षमता और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।'

भारत, अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा को इस सप्ताह देंगे अंतिम रूप: अधिकारी

नयी दिल्ली : भारत और अमेरिका मंगलवार से शुरू होने वाली तीन-दिवसीय वार्ता के दौरान प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की रूपरेखा, वार्ता के कार्यक्रम और संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप देंगे। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को दो चरणों में अंतिम रूप दिया जाएगा। पहले चरण में वस्तु व्यापार से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। इस सप्ताह के अंत तक इस पर पूरी तरह से स्पष्टता आ जाने की संभावना है। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका के विकसित अर्थव्यवस्था होने से भारत के साथ होने वाला यह व्यापार समझौता सीमा शुल्क, विनियमन और आर्थिक एकीकरण में अधिक पूर्वानुमान लेकर आएगा। अधिकारी ने कहा कि एक अच्छा व्यापार सौदा 'बहुत सारे दोतरफा व्यापार और निवेश' के लिए अधिक तालमेल पैदा कर सकता है। समझौते पर औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए अमेरिका के दक्षिण और पश्चिम एशिया के लिए सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच एक टीम के साथ 25-29 मार्च तक भारत का दौरा करेंगे। लिंच की यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने की घोषणा के बीच हो रही है। ट्रंप ने दो अप्रैल से यह शुल्क लगाने की घोषणा की है। अधिकारी ने कहा कि तीन दिवसीय विचार-विमर्श के दौरान दोनों पक्ष बीटीए की रूपरेखा को अंतिम रूप देंगे और संदर्भ की शर्तों पर चर्चा करेंगे। दोनों देश वर्ष 2025 की शरद ऋतु तक समझौते के पहले चरण या किस्त को पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। हालांकि, अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस सप्ताह की बातचीत वार्ता का पहला दौर नहीं है। अधिकारी ने कहा, 'हम वार्ता के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने की कोशिश करेंगे कि हम पहले दौर, दूसरे दौर को किस तरह शुरू करेंगे।' आमतौर पर इस तरह के व्यापार समझौतों में दो देश आपसी व्यापार वाले अधिकतम (90-95 प्रतिशत) उत्पादों पर आयात शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे खत्म कर देते हैं।

सेबी के बोर्ड ने विस्तृत खुलासे के लिए एफपीआई निवेश सीमा को दोगुना कर 50,000 करोड़ रुपये किया

मुंबई : बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने सोमवार को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से विस्तृत खुलासे के लिए निवेश सीमा को दोगुना करके 50,000 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य अपरिवर्तित रहने वाले शेयरधारिता मानदंड में बदलाव न करते हुए भी बदलते हुए बाजार की गतिशीलता का ध्यान रखना है। फिलहाल 25,000 करोड़ रुपये से अधिक प्रबंधन-अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) वाले एफपीआई के लिए अपने सभी निवेशकों या हितधारकों का विस्तृत विवरण अंतर्निहित विश्लेषण के आधार पर देना जरूरी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वित्त वर्ष 2022-23 और चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान नकद इक्विटी बाजारों में कारोबार की मात्रा दोगुनी से अधिक हो गई है। इसे ध्यान में रखते हुए निदेशक मंडल ने लागू सीमा को मौजूदा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।'' पांडेय ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद कहा, ''इस तरह से भारतीय बाजारों में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक इक्विटी एयूएम रखने वाले एफपीआई को अब अतिरिक्त खुलासे करने की जरूरत होगी।'' नवनियुक्त चेयरमैन पांडेय की अगुवाई में यह निदेशक मंडल की पहली बैठक थी। अगस्त, 2023 में सेबी ने किसी एक कॉरपोरेट समूह में अपने इक्विटी एयूएम का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखने वाले या भारतीय इक्विटी बाजारों में 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल हिस्सेदारी रखने वाले एफपीआई को निर्देश दिया था कि वे एफपीआई में स्वामित्व, आर्थिक हित या नियंत्रण रखने वाली सभी इकाइयों का विस्तृत विवरण दें।

सरकार का ऑनलाइन विज्ञापनों पर समानीकरण शुल्क को एक अप्रैल से खत्म करने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को वित्त विधेयक-2025 में 59 संशोधनों के तहत ऑनलाइन विज्ञापनों पर समानीकरण शुल्क या डिजिटल कर को एक अप्रैल से खत्म करने का प्रस्ताव रखा। विधेयक पर लोकसभा में बहस हो रही है। इस कदम से गूगल, एक्स और मेटा जैसे डिजिटल मंचों को फायदा होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, ऑनलाइन विज्ञापनों पर समानीकरण शुल्क को हटाने का प्रस्ताव अमेरिका के प्रति एक उदार रुख दिखाने के लिए लाया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका ने दो अप्रैल से भारत पर जवाबी शुल्क लगाने की धमकी दी है। समानीकरण शुल्क एक जून, 2016 को ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर लगाया गया था। इसका मकसद डिजिटल अर्थव्यवस्था से कर का एक उचित हिस्सा सुनिश्चित करना है।

पिछले आठ साल में उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर तीन प्रतिशत पर आईः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य में बेरोजगारी दर 2016-17 में 19 प्रतिशत थी जो आज घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। वर्ष 2017 में पहली बार और 25 मार्च 2022 को दूसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ ने अपने आठ साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया और पूर्ववर्ती सरकारों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय कमी आई है, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है और अब उत्तर प्रदेश एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में प्रदेश की जो पहचान बनी है उसका एहसास पूरा भारत कर रहा है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से कहा कि उप्र में बेरोजगारी दर 2016-17 में 19 प्रतिशत थी जो आज घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने कहा कि बीते आठ वर्षों में आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं, एमएसएमई क्षेत्र में दो करोड़ से अधिक युवा स्वरोजगार से जुड़े और 50 लाख युवाओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन देकर डिजिटल सक्षम बनाया गया।

न्यूज अपडेट

सोना 700 रुपये टूटकर 90,550 रुपये पर, चांदी में 200 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली : आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की सतत बिकवाली के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 700 रुपये टूटकर 90,550 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इसके अलावा, तीन साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए रविवार को सऊदी अरब में यूक्रेन और अमेरिकी अधिकारियों के बीच वार्ता के मद्देनजर संभावित रूस-यूक्रेन शांति समझौते की उम्मीदों के बीच हालिया तेजी के बाद व्यापारियों ने लंबे जमा सौदों की कटान और मुनाफावसूली करना जारी रखा। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार को 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 700 रुपये गिरकर 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई, जबकि इसका पिछला बंद भाव 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। रविवार को यूक्रेन और अमेरिका के बीच रूस के साथ संभावित शांति समझौते की संभावना पर चर्चा के बाद भू-राजनीतिक जोखिम कम होने से सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गईं।

जनवरी में ईएसआई योजना के तहत करीब 18 लाख नए पंजीकरण हुए

नयी दिल्ली : ईएसआई योजना के तहत जनवरी में कुल 18.19 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए, जो सालाना 2.34 प्रतिशत की वृद्धि है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, नए पंजीकरण में 25 वर्ष की आयु तक के 47.66 प्रतिशत या 8.67 लाख कर्मचारी हैं। ईएसआईसी के अस्थायी पेरोल आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी, 2025 में 18,19,219 नए कर्मचारी जोड़े गए। पिछले साल जनवरी में इस योजना के तहत 17,77,480 पंजीकरण किए गए थे।

अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार अधिकारी 25 मार्च से भारत दौरे पर, विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली : दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच मंगलवार से भारत की पांच-दिवसीय यात्रा पर आएंगे। भारत यात्रा के दौरान वह दोनों देशों के बीच व्यापार और सीमा शुल्क से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। लिंच की यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने की घोषणा के बीच हो रही है। ट्रंप ने दो अप्रैल से यह शुल्क लगाने की घोषणा की है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी भारत यात्रा के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत करने के अलावा कई वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार करने के लिए भी बातचीत होने की उम्मीद है। यह समझौता भारत और अमेरिका के बीच शुल्क और बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों का समाधान करेगा। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'लिंच अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की एक टीम के साथ द्विपक्षीय व्यापार चर्चाओं के क्रम में भारतीय वार्ताकारों के साथ बैठक के लिए 25-29 मार्च तक भारत में रहेंगे।' अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'हम व्यापार और निवेश मामलों पर भारत सरकार के साथ अपने जुड़ाव को महत्व देते हैं और रचनात्मक, न्यायसंगत और दूरदर्शी तरीके से इन चर्चाओं को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।' भारत ने शुक्रवार को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा तैयार करने को अमेरिका के साथ उसकी बातचीत चल रही है जो शुल्क और बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों को संबोधित करेगी।

वर्ष 9, पूर्णांक 4186 अंक 336, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in